हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 58 ● भिलाई, शुक्रवार 18 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ को हावभाव से हुआ शक

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों ने सोने की तस्करी की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। सुरक्षा एजेंसियों ने टर्मिनल-3 पर जेद्दा से आए एक बांग्लादेशी नागरिक को संदिग्ध हालत में दबोचकर उसके पास से करीब 1.88 करोड़ रुपये मूल्य का सोना बरामद किया है। आरोपी ने बेहद शातिराना तरीके से सोने को केमिकल पेस्ट के रूप में अपने अंडरगारमेंट्स में छिपा रखा था। अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई 12 सितंबर को टर्मिनल-3 के ट्रांजिट एरिया में की गई। आरोपी यात्री सऊदी अरब के जेद्दा से फ्लाइट लेकर दिल्ली पहुंचा था और उसे यहां से कनेक्टिंग फ्लाइट पकड़कर ढाका (बांग्लादेश) जाना था। सुरक्षा जांच के दौरान तैनात सीआईएसएफ कर्मियों को यात्री की गतिविधियों और हाव-भाव पर गहरा शक हुआ। जब उसे रोककर सघन तलाशी ली गई, तो उसके अंतर्वस्त्रों (अंडरगारमेंट्स) के भीतर छिपाकर रखे गए तीन अंडाकार (ओवल शेप्ड) कैप्सूल बरामद हुए।

गोवर्धन परिक्रमा कर रही महिला ने नहीं दी भीख, तो सिरफिरे ने काट दी नाक

मथुरा। धर्मनगरी मथुरा के गोवर्धन में एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। गोवर्धन पर्वत की पवित्र परिक्रमा कर रही मुंबई की एक 30 वर्षीय महिला पर अज्ञात शख्स ने जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी ने पहले महिला से भीख मांगी थी, लेकिन महिला द्वारा अनदेखा किए जाने पर उसने अचानक हमला बोलकर महिला की नाक काट दी। इस खौफनाक हमले के बाद परिक्रमा मार्ग में भारी अफरा-तफरी मच गई। पुलिस के अनुसार, यह सनसनीखेज घटना गोवर्धन पहाड़ी की तलहटी में हुई। घायल पीड़िता की पहचान 30 वर्षीय मोनिका के रूप में हुई है, जो मूल रूप से मुंबई की रहने वाली हैं। वह पिछले करीब छह महीने से गोवर्धन में ही रहकर भक्ति-साधना कर रही थीं और रोजाना नियमित रूप से गिरिराज जी की परिक्रमा करती थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मोनिका रोज की तरह परिक्रमा मार्ग से गुजर रही थीं। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति उनके करीब पहुंचा और पैसे व भीख मांगने लगा।

मानसून का कहर : यूपी के लखीमपुर में 7 मकान नदी में समाए

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में मानसून के सक्रिय रुख के चलते बाढ़ और भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। उत्तर प्रदेश और बिहार में नदियां उफान पर हैं, जिससे लाखों लोग विस्थापित होने को मजबूर हैं। वहीं, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में भी मूसलाधार बारिश का सिलसिला जारी है। उत्तर प्रदेश 26 जिलों में बाढ़, शारदा नदी के कटान से 7 मकान बहे उत्तर प्रदेश में सक्रिय मानसून के चलते 26 जिलों में बाढ़ जैसे गंभीर हालात बने हुए हैं।

मोदी ने जन्मदिन पर 'सेमीकॉन इंडिया 2026' का उद्घाटन किया

पीएम मोदी ने बोले....भारत पर दुनिया का भरोसा बढ़ा

नई दिल्ली/ एजेंसी

पीएम मोदी ने अपने 76वें जन्मदिन पर 'सेमीकॉन इंडिया 2026' का उद्घाटन किया। 17 से 19 सितंबर 2026 तक चलने वाली यह तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस और प्रदर्शनी 'सिलिकॉन टू सिस्टम्स: बिल्डिंग द इकोसिस्टम' थीम पर आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम में भारत समेत 52 देशों की कंपनियां हिस्सा ले रहीं हैं। कार्यक्रम में सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स वैल्यू चेन से जुड़ी ग्लोबल और भारतीय कंपनियां, नीति-निर्माता, निवेशक, रिसर्चर, स्टार्ट-अप, शैक्षणिक संस्थान और छात्र एक साथ आएंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि एक तरफ भारत की इकोनॉमी बढ़ रही है, दूसरी तरफ दुनिया का भारत पर भरोसा भी बढ़ रहा है। देश की सेमीकंडक्टर चिप्स ग्लोबल मार्केट तक पहुंच रहीं है। उन्होंने सितंबर में जारी तिमाही लक्षक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण दौर में भी भारत ने 7.8त्न की ग्रोथ हासिल की। इसी दौरान जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की सॉवरेन रेटिंग अपग्रेड की, जो करीब 35 साल बाद हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सेमीकंडक्टर सेक्टर ऐसा नहीं है कि फैक्ट्री लगाई और काम पूरा हो गया। इसमें टेक्नोलॉजिकल कैपेबिलिटी बनाने में दशकों लगते हैं। लेकिन भारत ने चिप डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग, टेस्टिंग कैपेबिलिटी पर एकसाथ काम किया और सफलता हासिल की है। बता दें कि तीन दिन तक चलने वाले इस आयोजन में 15,000 वर्ग मीटर के प्रदर्शनी क्षेत्र में लगभग 300 अंतरराष्ट्रीय कंपनियों सहित 600 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे। सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र में प्रमुख विकास और चुनौतियों पर चर्चा के लिए 150 से अधिक वक्ताओं के भाग लेने की उम्मीद है। इस एग्जीबिशन में 6 देशों के पवेलियन और 12 राज्य सरकारों के पवेलियन शामिल होंगे, साथ ही सेमीकंडक्टर उद्योग में स्टार्टअप, नवाचार, छात्रों, कार्यबल विकास और महिलाओं के लिए समर्पित मंच भी होंगे. स्टार्टअप पवेलियन में लगभग 40 स्टार्टअप प्रदर्शित किए जाएंगे। बता दें कि देश में सेमीकंडक्टर निर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने अब तक 12 प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। सरकार के मुताबिक, इनमें से पहले चरण में मंजूर तीन इकाइयों में व्यावसायिक उत्पादन शुरू हो चुका है।केंद्र ने सेमीकॉन 2.0 को भी मंजूरी दी है। इसका फोकस देश में सेमीकंडक्टर से जुड़े इकोसिस्टम को आगे बढ़ाने पर है पीएम नरेंद्र मोदी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा, एक तरफ हमारी सदियों पुरानी निर्माण की परंपरा है और दूसरी तरफ21वीं सदी की टेक्नोलॉजी और विजन है। यही 'आत्मनिर्भर भारत' और 'विकसित भारत' के लिए हमारी प्रेरणा भी है। 'विकसित भारत' बनाने के लिए हर नागरिक पूरी निष्ठा और लगन से काम कर रहा है। दिल्ली में पीएम मोदी बोले, कि अगर हम सिर्फ पिछले 15 दिनों पर नजर डालें तो पिछले 15 दिनों में कोई

प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन: देशभर में जश्न, वडनगर से वाराणसी तक निकली बाइक रैली,कई बड़े नेता हुए शामिल

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर उनकी जन्मभूमि वडनगर (गुजरात) से लेकर मौजूदा राजनीतिक कर्मभूमि वाराणसी (उत्तर प्रदेश) तक उत्सव जैसा माहौल है। उनके समर्थकों के अलावा देश के सांविधानिक पदों पर आसीन हस्तियां भी उन्हें बधाई दे रही हैं। पीएम मोदी को विदेश से भी जन्मदिन के शुभकामना संदेश भेजे जा रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर उन्हें बधाई दी। संदेश में पुतिन ने कहा कि मोदी को देशवासियों का गहरा सम्मान और वैश्विक स्तर पर बड़ी प्रतिष्ठा हासिल है। उन्होंने भारत-रूस के विशेष और रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने में पीएम मोदी के योगदान का जिक्र किया। पुतिन ने हालिया दिल्ली यात्रा के दौरान मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए भी आभार जताया और कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर सहयोग जारी रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को वडनगर में 'सेवा संकल्प अभियान' की शुरुआत की। उन्होंने पीएम मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों को गरीब कल्याण और देश की समृद्धि की नींव रखने वाला दौर बताया। शाह ने कहा कि यह समय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। उन्होंने दावा किया कि इस अवधि में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। शाह ने आवास, शौचालय, नल का पानी, बिजली, भोजन और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर किए गए कार्यों का भी जिक्र किया। एनसीपी-एसपी के प्रमुख शरद पवार ने एक्स पर लिखा, 'भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

गैजेट नोटिफिकेशन रद्द करने की मांग

यूपीआई पेमेंट पर फीस का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा 14 और 15 सितंबर को जारी यूपीआई से संबंधित गैजेट नोटिफिकेशन को रद्द करने की मांग की गई है। वकील अंजन दत्ता ने वित्त मंत्रालय के 14 सितंबर के नोटिफिकेशन को चुनौती दी है, जिसमें 2000 रुपये से अधिक के यूपीआई पेमेंट पर 0.4त्न का चार्ज लगाने की व्यवस्था है। याचिका में कहा गया है कि हाल ही में घोषित चार्ज का असर आखिरकार आम नागरिकों पर पड़ेगा। याचिका केंद्र सरकार, आरबीआई, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया

और यूपीआई के खिलाफ दायर की गई है। वित्त मंत्रालय की ओर से भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 की धारा 10ए के तहत अधिसूचना जारी की गई है। कोर्ट में दायर याचिका में सरकार की 14 सितंबर की अधिसूचना और 15 सितंबर को घोषित किए गए एमडीआर फ्रेमवर्क को पूरी तरह कैंसिल करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि सरकार ने यह चार्ज लगाने से पहले न तो पर्याप्त कानूनी प्रक्रिया अपनाई, न पूरी पारदर्शिता बरती और न ही आम लोगों से राय ली। चार्ज को लेकर जैसे विवाद शुरू हुआ सरकार ने साफ किया है कि यह केवल मर्चेंट्स के लिए है। आम उपभोक्ताओं के लिए पर्सन-टू-पर्सन ट्रांजेक्शन और 2,000 रुपये तक के मर्चेंट पेमेंट पूरी तरह से मुफ्त बने रहेंगे। सरकार ने 'पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007' की धारा 10ए के तहत नियमों में संशोधन करके 2,000 रुपये से अधिक के डिजिटल पेमेंट पर यह चार्ज लगाने का प्रावधान किया था।

17 साल की एक नाबालिग छात्रा ने खुदकुशी कर ली

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद शहर में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां 17 साल की एक नाबालिग छात्रा ने खुदकुशी कर ली। इस मामले में पुलिस ने एक महिला को छात्रा को आत्महत्या के लिए उकसाने के संगीन आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोप है कि महिला ने अपने बेटे के साथ प्रेम संबंध को लेकर नाबालिग लड़की को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और उसे यहां तक कह डाला कि अगर वह उसके बेटे से सच में प्यार करती है तो फांसी लगाकर जान दे दे। इस ताने और दबाव से आहत होकर छात्रा ने 31 अगस्त को अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली थी।

उधमपुर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी

कश्मीर में 2 आतंकियों का एनकाउंटर हुआ.....

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में सेना ने 2 आतंकियों का एनकाउंटर किया है। उधमपुर जिले में बुधवार रात सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मारगिराया। मजालता इलाके में आर्तकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने रात के अंधेरे में सर्च ऑपरेशन चलाते हुए दोनों आर्तकियों को जहन्नूम की सैर पर भेज दिया। खराब मौसम, कम विजिबिलिटी और मुश्किल इलाका होने के बावजूद भारतीय सेना के जवानों ने सफल ऑपरेशन चलाया। सूत्रों के मुताबिक, दोनों आर्तकियों के पाकिस्तानी होने

और कश्मीर टाइगर्स या जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने की आशंका है। उनकी पहचान और संगठन की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। सुरक्षा बलों के मुताबिक, 16 और 17 सितंबर की दरम्यानी रात खुफिया जानकारी मिली थी कि उधमपुर के बत्तल इलाके में आतंकी मौजूद हैं।

मोदी के जन्मदिन पर ट्रंप ने जोरदार झटका दिया

भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ... लगाने वाला बिल संसद से पास

नई दिल्ली/ एजेंसी

पीएम मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर) के दिन दोस्त डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को जोरदार झटका दिया है। भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने वाला बिल अमेरिकी संसद से पास हो गया है। बुधवार देर रात अमेरिकी हाउस में सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट बिल-2026 पास हो गया। बिल के पक्ष में 262 और विरोध में 159 वोट पड़े। यह बिल रूसी तेल गैस खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगाने का अधिकार देता है। अमेरिकी हाउस के दोनों सदन से पास होने

के बाद अब इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास साइन करने के लिए भेजा जाएगा। ट्रंप के साइन करते ही यह बिल कानून बन जाएगा और फिर भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लागू हो जाएगा। बिल को आधिकारिक तौर पर लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 नाम दिया गया है। बिल पर अमेरिकी हाउस में हुई बहस में भारत और चीन को खास तौर पर उन बड़े खरीदारों के तौर पर पहचाना गया है जिन पर इस प्रावधान का असर पड़ सकता है। भारत, चीन के अलावा तुर्किये, अजरबैजान, हंगरी, स्लोवाक गणराज्य, यूएई, सिंगापुर, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान पर भी इसका असर देखने को मिलेगा। हालांकि, भारत पर अभी 100 प्रतिशत टैरिफ नहीं लगाया गया है। बिल के कानून बनने के बाद ट्रम्प के पास ऐसा टैरिफलगाने का कानूनी अधिकार हो जाएगा।

पटियाला और मोहाली में ईडी की छापेमारी, कंपनियों के रिकॉर्ड की हो रही जांच

पटियाला। पटियाला में ईडी की टीम ने देर रात फेज-2 की कमर्शियल मार्केट स्थित शोरूम नंबर 8, 9 और 10 में छापेमारी की है। इन परिसरों से जुड़ी फ्लाइंग फेदर्स और डीएम वेब बेस्ड सॉल्यूशंस नाम की कंपनियों के रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक रेड बुधवार सुबह तक जारी है। ईडी की टीमें मौके पर साक्ष्य जुटा रही हैं और अन्य संबंधित रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। कार्रवाई के दौरान पूरी बिल्डिंग को सील किए जाने की भी जानकारी सामने आई है। वहीं ईडी ने मोहाली के आईटी सिटी, सेक्टर-82 स्थित प्लॉट नंबर 2010 पर भी छापामारी की है।

टाटा ग्रुप ने 5 साल एक्सटेंशन पर लगाई मुहर

बोर्ड का फैसला-एन चंद्रशेखरन बने रहेंगे टाटा संस के चेयरमैन..

नई दिल्ली/ एजेंसी

इस वक्त की बड़ी खबर टाटा ग्रुप से आई है। एन चंद्रशेखरन टाटा संस के चेयरमैन बने रहेंगे। बॉम्बे हाउस में हुई टाटा ग्रुप की अहम बैठक में बोर्ड ने एन चंद्रशेखरन के 5 साल एक्सटेंशन को मंजूरी दे दी। हालांकि बैठक में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया। इसी के साथ ही टाटा सन्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का कार्यकाल 2032 तक बढ़ा दिया गया है। चंद्रशेखरन 2017 से टाटा संस की कमान संभाल रहे हैं। पिछले महीने एन चंद्रशेखरन ने

अपना इस्तीफा टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा से मतभेद के बाद दिया था। नोएल टाटा एन चंद्रशेखरन के के कार्यकाल के विस्तार के खिलाफ थे। इसके बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। एन. चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ाने के फैसले को अभी सालाना आम बैठक में मंजूरी मिलनी है, जिसमें टाटा ट्रस्ट की 66त्न हिस्सेदारी है। ट्रस्ट के बोर्ड सदस्य नोएल टाटा फैसले के खिलाफ हैं, जबकि वेनु श्रीनिवासन ने चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति का समर्थन किया है। चंद्रशेखरन को 2022 में दूसरी बार पांच साल के लिए टाटा संस का चेयरमैन नियुक्त किया गया था। वह रतन टाटा के बाद 2017 में इस पद पर आए थे। अब तीसरे कार्यकाल के साथ उनका टाटा ग्रुप का नेतृत्व जारी रहेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा संस के बोर्ड ने कंपनी को लिस्ट करने के मुद्दे पर भी विचार किया, लेकिन इस पर कोई प्रस्ताव पास नहीं हुआ।

7 दिन से स्कूल-बाजार बंद,चीनी का भाव 450 किलो तक पहुंचा

एक बार फिर हिंसा की आग में जला मणिपुर,4 दिन में 6 हत्याएं

मणिपुर/ एजेंसी

मणिपुर में कुकी और नगा समुदायों के बीच बढ़ते तनाव का गहरा असर पहाड़ी इलाकों में जनजीवन पर पड़ा है। कई क्षेत्रों में पिछले 7 दिनों से स्कूल और बाजार बंद हैं। सड़क और हाईवे पर नाकेबंदी के चलते 7 पहाड़ी जिलों से संपर्क प्रभावित हुआ है। सामान्य आवाजाही के साथ जरूरी सामान की सप्लाई भी बाधित होने की खबर है। कांगपोकपी के कुछ गांवों में चीनी की कीमत 400-450 प्रति किलो तक पहुंचने का दावा स्थानीय लोगों ने किया है। लोगों के मुताबिक, डर के कारण ग्रामीण घरों से बाहर निकलने और खेतों में जाने से बच रहे हैं। मेडिकल इमरजेंसी में अस्पताल या एयरपोर्ट पहुंचना भी मुश्किल बताया जा रहा है। स्थानीय निवासी मार्गरिट के मुताबिक, जिला मुख्यालय में जरूरी सामान मिल रहा है, लेकिन दूरदराज के गांवों में स्थिति गंभीर है। वहीं डेविड ने बताया कि कई लोग खेतों में जाने से भी डर रहे हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि उखरुल, सेनापति, तामेंगलोंग और चंदेल जैसे नगा-बहुल इलाकों में प्रमुख सड़कों पर नाकेबंदी और चेकपॉइंट बनाए गए हैं। निजी वाहनों के लिए बिना सुरक्षा एस्कॉर्ट आवाजाही मुश्किल बताई जा रही है। कुछ लोगों ने मेडिकल इमरजेंसी और एयरपोर्ट जाने के लिए स्थानीय प्रशासन से अनुमति लेने की बात कही है। कांगपोकपी के चावांगकिनिंग लियांगमाई गांव में बुधवार को कई घरों में आग लगाए जाने की सूचना मिली। कुछ घरों पर गोलीबारी के निशान भी मिले हैं। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार रात

संदिग्ध हथियारबंद लोगों और सीआरपीएफ के बीच करीब 6 घंटे तक रुक-रुककर गोलीबारी हुई। दो लकड़ी के घर जलने की भी जानकारी है। तामेंगलोंग के लीसांगफ ई गांव में मंगलवार को दो कुकी महिलाओं की गोली मारकर हत्या कर दी गई। एक कुकी विधायक ने वारदात में एनएससीएन आईएम और जेयूएफके कैडरों की कथित भूमिका का आरोप लगाया है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। कुकी संगठनों ने पिछले 4 दिनों में 4 महिलाओं समेत 6 कुकी लोगों की हत्या का आरोप नगा समुदाय पर लगाया है। स्थानीय संगठनों के मुताबिक, फरवरी से अब तक करीब 40 लोगों की मौत हो चुकी है।

हमें मजबूर न करें... मणिपुर में राहत शिविरों में मौतों पर भड़के सीजेआई सूर्यकांत,बोले- राज्य को देना होगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मणिपुर में हिंसा के दौरान विस्थापित हुए लोगों के बनाए गए राहत शिविरों में हुई कई मौतों को लेकर सख्त रुख अपनाया। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने मणिपुर के मुख्य सचिव से पूछा कि अब तक इस मामले को लेकर क्यों कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई। बेंच ने मणिपुर के मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि वे राहत शिविरों में हुई इन मौतों की जांच, आपराधिक कार्रवाई शुरू करने और वहां रहने वालों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दें। इसके साथ ही बेंच ने कहा कि राज्य सरकार को बताना होगा कि मौत के 34 मामलों में से केवल 20 मामलों में ही पोस्टमार्टम क्यों कराए गए। बेंच ने राज्य सरकार को आदेश देते हुए कहा कि, मणिपुर के मुख्य सचिव को निर्देश दिया जाता है कि वो राज्य के राहत शिविरों में हुई मौतों, खासकर असामान्य मौतों, पर एक हलफनामा दाखिल करें। बेंच ने राज्य सरकार से कहा कि अपने मुख्य सचिव से कहें कि वह अदालत को सख्त आदेश पारित करने के लिए मजबूर न करें। हमें बताए कि अब तक इस मामले में क्यों कोई ठोस कदम क्यों नहीं उठाए गया। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने कहा कि राज्य को बताना होगा कि मौत के 34 मामलों में से केवल 20 मामलों में ही पोस्टमार्टम क्यों कराए गए। इसके अलावा बेंच ने कहा कि राज्य अपने हलफनामे में बताए कि राहत शिविरों में शरण लेने वाले जिन लोगों की असामान्य बातें हुई, उन्हें मुआवजे के तौर पर सिर्फ 20 से 30 हजार रुपये ही क्यों दिए गए।

कुंडा में सरपंची की कुर्सी पर सियासी घमासान, नगर पंचायत की भी आहट

धारा 40 की कार्रवाई की चर्चा के बीच भाजपा समर्थित पंच के नाम पर मंथन, दल बदल की पेशकश से गरमाया माहौल

कवर्धा। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र की सबसे बड़ी ग्राम पंचायतों में शुमार कुंडा में इन दिनों पंचायत की कुर्सी से लेकर नगर पंचायत बनने तक की राजनीतिक चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है। 20 वार्डों वाली इस ग्राम पंचायत में वर्तमान सरपंच हरेंद्र चंद्राकर के खिलाफ शिकायत और सक्षम अधिकारी के न्यायालय में चल रही प्रक्रिया के बीच सत्ता के नए समीकरणों की सुगबुगाहट तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, धारा 40 के तहत कार्रवाई की संभावनाओं के साथ ही भाजपा समर्थित पंच को सरपंच की जिम्मेदारी सौंपने और कुंडा को नगर पंचायत बनाने की राजनीतिक कवायद को लेकर अंदरखाने चर्चा चल रही है।

पुराने घटनाक्रम ने फिर खींचा ध्यान

कुंडा की पंचायत राजनीति में दलगत निष्ठा और सत्ता के समीकरण पहले भी सुर्खियों में रहे हैं। पूर्व सरपंच महेश्वर साहू भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी रहे हैं। बाद में उन्होंने भाजपा से त्यागपत्र दे दिया और तत्कालीन सत्तासीन कांग्रेस से जुड़े नेताओं के साथ उनकी राजनीतिक नजदीकियां बढ़ने की चर्चा रही। उस दौर में कांग्रेस से जुड़े लोगों द्वारा तत्कालीन सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव सहित कई शिकायतें किए जाने की बात सामने आई थी। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा से अलग होने के बाद महेश्वर साहू कांग्रेस में औपचारिक रूप से शामिल नहीं हुए, लेकिन सत्ता पक्ष के नेताओं के साथ उनकी सक्रियता और उठना-बैठना स्थानीय राजनीति में चर्चा का विषय बना रहा। इसी दौरान उनके खिलाफ चल रही शिकायतों को लेकर भी राजनीतिक परिस्थितियों में बदलाव की चर्चा होती रही।

अब हरेंद्र चंद्राकर पर कार्रवाई की चर्चा

वर्तमान में कांग्रेस से जुड़े हरेंद्र चंद्राकर सरपंच पद पर काबिज हैं। सूत्रों के अनुसार, भाजपा से जुड़े लोगों की ओर से उनके खिलाफ शिकायत की गई है। मामला सक्षम अधिकारी के न्यायालय में विचाराधीन बताया जा रहा है और संबंधित प्रक्रिया जारी है। इसी के बीच राजनीतिक गलियारों में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि यदि धारा 40 के तहत सरपंच के खिलाफ कार्रवाई होती है, तो पंचायत की कमान किसके हाथ जाएगी। सूत्रों के अनुसार, भाजपा समर्थित पंच को सरपंच बनाए जाने की संभावनाओं को लेकर स्थानीय स्तर पर राजनीतिक सक्रियता बढ़ी है।

सरपंची से आगे नगर पंचायत का गणित

कुंडा में चर्चा केवल सरपंच पद तक सीमित नहीं है। सूत्रों के अनुसार, कुंडा को नगर पंचायत का स्वरूप देने की संभावित राजनीतिक कवायद को लेकर भी अंदरखाने बातचीत चल रही है। पंचायत में 20 वार्ड होने के कारण प्रस्तावित बदलाव की चर्चा ने स्थानीय राजनीतिक महत्व को और बढ़ा दिया है। हालांकि, नगर पंचायत गठन या वर्तमान सरपंच को धारा 40 के तहत हटाने को लेकर अभी किसी अंतिम सरकारी निर्णय की पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए फिलहाल इन बातों को राजनीतिक सूत्रों से सामने आ रही चर्चाओं के रूप में ही देखा जा रहा है।

दल बदल का ऑफर या नया सियासी दांव

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे ज्यादा चर्चा वर्तमान सरपंच हरेंद्र चंद्राकर को लेकर है। सूत्रों के अनुसार, उनके सामने कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने का विकल्प अथवा राजनीतिक प्रस्ताव रखे जाने की चर्चा है। यदि यह बातचीत किसी निष्कर्ष तक पहुंचती है तो कुंडा पंचायत में मौजूदा राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव संभव है। कुंडा की 20 वार्ड वाली पंचायत में सरपंच की कुर्सी महज एक प्रशासनिक पद नहीं, बल्कि स्थानीय राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुकी है। एक ओर न्यायालयीन प्रक्रिया आगे बढ़ रही है, दूसरी ओर धारा 40 की कार्रवाई की चर्चाएं हैं और तीसरी ओर भाजपा समर्थित पंच को सरपंच बनाने तथा नगर पंचायत गठन की सुगबुगाहट। अब नजर इस बात पर है कि प्रशासनिक प्रक्रिया पहले फैसला देती है या कुंडा की राजनीति उससे पहले अपना नया समीकरण तैयार कर लेती है। अंतिम तस्वीर सक्षम अधिकारी के निर्णय और शासन के आधिकारिक आदेश के बाद ही साफ होगी।

बेमेतरा के अंडर-19 रग्बी खिलाड़ियों ने जीता इस वर्ष का चौथा खिताब

बेमेतरा। बलौदाबाजार जिले के कसडोल में आयोजित राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में बेमेतरा जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वामी आत्मानंद स्कूल हसदा के अंडर-19 बालक एवं बालिका रग्बी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान हासिल किया। खिलाड़ियों ने दुर्ग संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने उत्कृष्ट खेल से जिले और विद्यालय का नाम रोशन किया।

अंडर-19 बालिका वर्ग में बेमेतरा की खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। बालिका टीम ने बिलासपुर को 15ङ्क5 तथा सरगुजा को 10ङ्क0 से हराया। वहीं रायपुर के खिलाफ मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। इन शानदार प्रदर्शनों के आधार पर बेमेतरा की बालिका टीम ने प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।दुर्ग संभाग की बालिका टीम में श्रद्धा मरकाम, भूमिका साहू, मानसी साहू, नंदिनी और रोशनी ने बेमेतरा जिले का प्रतिनिधित्व किया। अंडर-19 बालक वर्ग में भी बेमेतरा के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। टीम ने सरगुजा को 20-0 तथा रायपुर को 15ङ्क5 से हराकर प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हासिल किया।बालक वर्ग में बेमेतरा का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों में हिमांशु, सुरेश पटेल, सूर्य, भानु प्रकाश और रुद्र प्रताप शामिल रहे।कोच लोकेश्वर राव मैनेजर रामेश्वरी साहू विद्यालय परिवार ने दी बधाई इस उपलब्धि की जानकारी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हसदा के व्यायाम शिक्षक लोकेश्वर राव ने दी। खिलाड़ियों की इस शानदार उपलब्धि पर स्वामी आत्मानंद स्कूल हसदा के प्राचार्य जी.पी. सिंह, दुष्यंत कुमार परगनिहा, सरपंच चंद्रशेखर परगनिहा, बलिराम धीवर, संध्या परगनिहा, उपसरपंच ओमप्रकाश सिन्हा, जनपद सदस्य रेखा पौषण सिंहा, संकुल समन्वयक दीपक आड़ील, व्यायाम शिक्षक रामेश्वरी साहू, आकाश वर्मा, मानचंद निर्मलकर, देविका वर्मा एवं आंचल बंछोर सहित विद्यालय परिवार एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। संस्था प्रमुख ने कहा कि खिलाड़ियों की यह सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। विद्यालय में रग्बी की नई पौध तैयार की जा रही है तथा खिलाड़ियों को नियमित रूप से प्रशिक्षण दिया जाता है। खिलाड़ियों को तैयार करने में विद्यालय के व्यायाम शिक्षक लोकेश्वर राव, रामेश्वरी साहू एवं आकाश वर्मा का महत्वपूर्ण योगदान है। इनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को रग्बी के साथ-साथ विभिन्न खेलों का नियमित प्रशिक्षण दिया जाता है।स्वामी आत्मानंद स्कूल हसदा के खिलाड़ियों के लिए यह उपलब्धि बेहद खास है। यह इस वर्ष खिलाड़ियों द्वारा हासिल किया गया चौथा खिताब है, जो विद्यालय के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल विभाग की निरंतर मेहनत एवं समर्पण को दर्शाता है। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है और सभी ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तीज पर्व पर हुआ अखंड रामनाम सप्ताह का आयोजन

दल्लीराजहरा। तीज पर्व के अवसर पर दल्ली-राजहरा के मुख्य बाजार में राजहरा हाथ ठेला मजदूर संघ द्वारा 48 वें वर्ष राज्य स्तरीय रामसत्ता (अखंड रामधुनी) प्रतियोगिता का भव्य आयोजन 15 एवं 16 सितंबर को किया गया। यह आयोजन नारी शक्ति को समर्पित रहा।यह परंपरा कोई आज की नहीं है। इसकी शुरुआत वर्ष 1980 में हाथ ठेला मजदूर संघ के अध्यक्ष स्व. रामलाल साहू (रमलू) के नेतृत्व में लगभग 200 से अधिक हाथ ठेला मजदूरों ने की थी। उस समय राजहरा की जनसंख्या एक लाख से अधिक थी और तब से लेकर आज तक, हजारों की संख्या में लोग इस कार्यक्रम को देखने आते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि आयोजकों में आज भी वही जोश और ऊर्जा देखने को मिलती है। यह आयोजन तीज पर्व के दिन शुरू होकर अगले दिन गणेश चतुर्थी के विसर्जन के साथ संपन्न होता है। इस वर्ष इस प्रतियोगिता में 6 मंडलियों ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी। जिसमें साल्हे (दल्ली-राजहरा), गोड़पार (रानी माई), धोबनपुरी (भरदा), आरोद (धमतरी), नेवारीकला और डोंगेश्वर धाम (देवपुर) की मंडलियां शामिल थीं। कार्यक्रम का सफल संचालन ग्राम परसोदा के नोहर साहू द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के तहत प्रत्येक मंडली को ढाई घंटे का समय दिया जाता है, जिसमें मंडली द्वारा रामचरितमानस एवं महाभारत से संबंधित विभिन्न प्रसंगों का सजीव चित्रण कर धर्म का संदेश दिया जाता है। हाथ ठेला मजदूर संघ के अध्यक्ष शोभित राम निर्मलकर ने बताया कि आज के आधुनिक युग में अपनी लोक परंपराओं को सहेजना समाज के लिए एक अच्छा उदाहरण है। धार्मिक आयोजनों के माध्यम से मंडलियों द्वारा धर्म ग्रंथों में लिखी बातों का सजीव चित्रण किया जाता है, जिसे अपने जीवन में उतारने की सीख मिलती है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का संपूर्ण खर्च हाथ ठेला मजदूर संघ के सदस्यों द्वारा अपनी मेहनत की कमाई से उठाया जाता है, जिसमें राजहरा के दानदाताओं का भी सहयोग मिलता है। हिंदू धर्म को समर्पित इतने बड़े आयोजन में शासन की ओर से कोई सहयोग नहीं मिलना बड़ी दुख की बात है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू, एल्डरमैन महेंद्र पिपरे, मंडल उपाध्यक्ष मुकेश खस और भाजयुमो उपाध्यक्ष रौनक साहू का आयोजन समिति द्वारा भव्य स्वागत किया गया। अपने संबोधन में नगर पालिका अध्यक्ष तोरण लाल साहू ने कहा कि 24 घंटे का रामसत्ता का आयोजन करने वाले सभी समितियों के पदाधिकारियों को मैं धन्यवाद करता हूं कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के नाम को जन-जन तक पहुंचाने का आप लोगों ने बेहतरीन काम किया है। आप लोगों ने दल्ली-राजहरा का मान-सम्मान बढ़ाया है। मैं हाथ ठेला मजदूर संघ के सभी पदाधिकारियों को बधाई देता हूं कि आप लोग मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हुए भी इतना बड़ा आयोजन एकता और जनसहयोग से करते हैं। उन्होंने इस अवसर पर घोषणा की कि आने वाले दिनों में मंच के सामने विशाल डोम शेड का निर्माण किया जाएगा, ताकि बारिश के दिनों में भी बाजार सुचारू रूप से चल सके। इस आयोजन को सफल बनाने में आयोजन समिति के शोभित राम निर्मलकर, मिथिलेश निर्मलकर, संतोष कुमार साहू, ललित राम निर्मलकर, मिथलेश साहू, राजकुमार साहू, यादराम साहू, हीरालाल साहू, कमलेश निर्मलकर, यादराम निषाद, उत्तरा कुमार साहू, गोपाल राव एवं लेखराम देवांगन सहित सभी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

चोरी गए तांबे के केबल वायर सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा। परम पूज्य सोलर प्लांट गाड़ाडीह से तांबे का केबल वायर चोरी करने के मामले में तीन आरोपी एवं एक विधि से संघर्षरत बालक शामिल हैं । चोरी गए तांबे के केबल वायर, घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल एवं कटर, पेंचिंस, छिन्नी, कुल जुमला कीमती लगभग 65,000/- रूपये बरामद किया प्रार्थीयोगेन्द्र सिरमौर उम्र 34 वर्ष,निवासी पेण्ड्रावन थाना परपोड़ी जिला बेमेतरा के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 22.08.2026 के शाम करीबन 05 बजे से दिनांक 23.08.2026 के शाम करीबन 05 बजे के परम पूज्य सोलर प्लांट गाड़ाडीह में लगे 10 नग तड़ित चालक खंभा में लगे तांबे का केबल वायर करीबन 320 मीटर कीमती करीबन 40,000/- रूपये, पुरानी इस्तेमाली को चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट कि रिपोर्ट पर थाना दाढ़ी में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना के संबंध मेंवरिष्ट अधिकारियो को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल (भा.पु.से.) ने तत्काल आरोपी के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने निर्देश दिए। जिसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरीश यादव एवं एसडीओपी बेरला रूचि वर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी परपोड़ी निरीक्षक अजय सोनकर को अपराध विवेचना हेतु थाना स्टाफ के साथ लगाया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरानजरिये मुखबिर सूचना पर भोजराम वर्मा निवासी खजरी, जागेश्वर ठाकुर निवासी साल्हेपुर, रोहन यादव निवासी सिंघनपुरी को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर अपने एक और अन्य साथी के साथ मिलकर उक्त चोरी का अपराध करना स्वीकार किया। आरोपियों के कब्जे सेचोरी गये तांबे के केबल वायर कीमती 40,000/- रूपये, घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल क्रमांक सीजी 07 एल.आर. 7771 कीमती करीबन 25,000/- रूपये तथा कटर, पेंचिंस, छिन्नी, कुल जुमला कीमती लगभग 65,000/- रूपये को बरामद कर जप्त किया गया। प्रकरण मेंआरोपी 01. भोजराम वर्मा पिता नरेन्द्र वर्मा उम्र 18 वर्ष, निवासी खजरी,थाना घुमका, जिला राजनांदगांव, 02. जागेश्वर ठाकुर पिता चंद्रकुमार ठाकुर उम्र 21 वर्ष, निवासी साल्हेपुर, चौकी देवकर, थाना साजा, 03. रोहन यादव पिता राजेन्द्र यादव उम्र 18 वर्ष, निवासी सिंघनपुरी, थाना साजा जिला बेमेतरा को दिनांक 10.09.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया।
तथा 01 विधि से संघर्षरत बालक को माननीय किशोर न्याय बोर्ड में प्रस्तुत किया गया।

मज़दूर आन्दोलन में शहीद 4 मजदूर साथियों की 42 वीं बरसी मनाई गई

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा/छत्तीसगढ़ माइंस श्रमिक संघ दल्ली राजहरा ने 12 सितम्बर 1984 में बी.एन.सी. मिल्स (बंगाल नागपुर कॉटन मिल्स) राजनांदगांव के मज़दूर आन्दोलन में गोली चालन में हुए 4 मजदूर साथियों की 42 वीं बरसी मनाई गई। 11 सितम्बर को विशाल रैली बी.एन.सी. मिल्स के सामने से होकर गुजर रही थी कुछ दूर में ही जुलूस के आखरी छोर पर गुण्डों द्वारा घातक हथियारों से हमला कर मेहतरू देवांगन का हत्या कर दिया गया। अनेक लोगो को लहुलुहान कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। 12 सितम्बर दोपहर को पुलिस द्वारा बर्बर गोली चालन कर 12 वर्ष के बालक राधे ठेठवार, घनाराम देवांगन, जगत सतनामी को शहीद कर दिये इस प्रकार से इस आन्दोलन में चार साथी शहीद हो गये। अनेक साथी घायल हुए। इस बी एन सी मिल मजदूर आंदोलन को जिन्होंने खड़ा किया वे प्रमुख व्यक्तिव थे ठाकुर प्यारेलाल सिंह, काम. रूईकर एवं काम. शंकर गुहा नियोगी इस तीनों ने मजदूरों के साथ लंबी लड़ाई लड़ी। 12 सितम्बर के सुबह नवजवान साथी सुरेन्द्र पटेल को पैलेट गन से वार कर पुरे शरीर में दर्जनों छर्रे उतार दिये लहुलुहान से सराबोर घायल अवस्था में उन्हे अस्पताल ले जाया गया। दूसरे दिन उनके भी मृत्यु का खबर फैल चुकी थी परन्तु वे बच गये। दल्ली-राजहरा के यूनियन के शहीद अस्पताल में ऑपरेशन से छर्रे निकाले गये। कुछ छर्रे नहीं।

डॉक्टर बनना मंजिल नहीं, सेवा लक्ष्य; कवर्धा मेडिकल कॉलेज में पहला बैच शुरू

कवर्धा। कबीरधाम की चिकित्सा शिक्षा के इतिहास में बुधवार का दिन ऐतिहासिक बन गया। शासकीय मेडिकल कॉलेज कवर्धा में प्रथम शैक्षणिक सत्र और प्रथम बैच की पढ़ाई का शुभारंभ हुआ। गले में स्टेथोस्कोप, कंधे पर एप्रॉन और आंखों में डॉक्टर बनने का सपना लिए नवप्रवेशी विद्यार्थियों ने मेडिकल शिक्षा के अपने नए सफर की शुरुआत की। शुभारंभ अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा और सांसद संतोष पाण्डेय ने विद्यार्थियों का एप्रॉन, स्टेथोस्कोप, पेन और गुलाब का फूल देकर स्वागत किया।

विद्यार्थियों से जानी तैयारी और सफलता की कहानी

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने उनकी तैयारी, कोचिंग, पढ़ाई की दिनचर्या और प्रवेश परीक्षा के अनुभव जाने। विद्यार्थियों ने बताया कि किसी ने ऑनलाइन कोचिंग तो किसी ने लाइब्रेरी में स्व-अध्ययन के जरिए सफलता हासिल की। विद्यार्थियों ने करीब आठ घंटे पुस्तकों और तीन से चार घंटे डिजिटल माध्यम से पढ़ाई करने की जानकारी दी। कलेक्टर तुलिका प्रजापति ने कहा कि कठिन मेहनत के बाद मेडिकल कॉलेज तक पहुंचना उपलब्धि है, लेकिन यह यात्रा की शुरुआत है। मरीज डॉक्टर के पास स्वस्थ होने की उम्मीद लेकर आता है, इसलिए चिकित्सा क्षेत्र में संवेदनशीलता और सेवा भावना जरूरी है। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, राजेन्द्र चंद्रवंशी, अधिष्ठाता डॉ. प्रतिभा जैन शाह, सीएमएचओ डॉ. देवेन्द्र तूरे सहित जनप्रतिनिधि और चिकित्सक उपस्थित रहे।

डॉक्टर बनना अंतिम लक्ष्य नहीं : विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डॉक्टर बनना मंजिल नहीं, बल्कि समाज की सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। विद्यार्थियों का लक्ष्य केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि डॉक्टर बनने के बाद समाज और जरूरतमंद लोगों के लिए बेहतर कार्य करना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस परिवार और समाज ने उन्हें आगे बढ़ने का अवसर दिया है, उसके प्रति सेवा और जिम्मेदारी का भाव हमेशा बनाए रखना चाहिए। शर्मा ने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने और निरंतर तैयारी जारी रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान अनावश्यक तनाव लेने की जरूरत नहीं है। सफलता किसी एक व्यक्ति के प्रयास का परिणाम नहीं होती, बल्कि परिवार और समाज के सहयोग से हासिल होती है।

संतोष पाण्डेय ने दी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं

सांसद संतोष पाण्डेय ने प्रथम बैच के विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सभी के संयुक्त प्रयासों से कवर्धा में मेडिकल कॉलेज के प्रथम बैच की शुरुआत संभव हुई है। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को महत्वपूर्ण बताते हुए विद्यार्थियों से पूरी लगन और समर्पण के साथ अध्ययन करने का आह्वान किया।

एनएच-30 पर रफ्तार का कहर: बाइक सवार को 5 किमी तक घसीटती ले गई बस, दर्दनाक मौत

सूर्यवंशी ढाबा के पास बस की चपेट में आया युवक; टोल प्लाजा पर रुकी बस तो नीचे गिरा क्षत-विक्षत शव, एक पैर का हिस्सा हुआ अलग

बालोद। पुरूर थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-30 पर बुधवार को रफ्तार का भयावह मंजर सामने आया। सूर्यवंशी ढाबा के सामने तेज रफ्तार यात्री स्लीपर बस ने बाइक सवार युवक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर के बाद युवक बस में फंस गया और बस उसे करीब पांच किलोमीटर तक घसीटती हुई टोल प्लाजा तक ले गई। टोल प्लाजा के पास बस रुकी तो युवक का शव नीचे गिरा। हादसा इतना भीषण था कि मृतक का एक पैर का हिस्सा शरीर से अलग हो गया और शरीर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मनीष कंपनी की यात्री स्लीपर बस क्रमांक सीजी 27 के 2469 धमतरी से सुकमा-कोंटा की ओर जा रही थी। इसी दौरान चारामा की ओर से आ रही बाइक क्रमांक सीजी 19 बीके 3431 को सूर्यवंशी ढाबा के पास बस ने अपनी चपेट में ले लिया। बाइक सवार जीवन लाल सिन्हा पिता रामेश्वर लाल (35) बस के साथ फंस गया। इसके बाद बस चालक उसे करीब पांच

किलोमीटर दूर टोल प्लाजा तक घसीटता ले गया। टोल प्लाजा के पास बस रुकने के बाद शव नीचे गिरा।

चारामा का रहने वाला था मृतक, धमतरी अस्पताल जा रहा था

हादसे में मृतक की पहचान कांकेर जिले के चारामा के ललतू नगर वार्ड-2, सरार पारा निवासी जीवन लाल सिन्हा के रूप में हुई है। बताया गया कि वह चारामा से धमतरी अस्पताल जा रहा था। हादसे की सूचना मिलते ही पुरूर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। शव को गुरुर स्थित मर्च्युरी में रखवाया गया। पोस्टमार्टम और आवश्यक पुलिस कार्रवाई के बाद देर शाम तक शव परिजनों को सौंप दिया गया। हादसे के बाद बस को चारामा पुलिस ने रोका, जिसके बाद पुरूर पुलिस ने बस चालक हेमनलाल साहू पिता बलिराम साहू (32) निवासी ग्राम रावा, थाना अर्जुनी, जिला धमतरी को हिरासत में लिया है। पुलिस बस की गति, दुर्घटना के कारणों और पूरे घटना म की जांच कर रही है। मामले में वैधानिक कार्रवाई जारी है।

एक दिन पहले भी बस ने युवक को मारी थी टक्कर

बालोद जिले में तेज रफ्तार बसों से हादसों का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है। मंगलवार को भी गुंडरदेही थाना क्षेत्र में दुर्ग-बालोद मुख्य मार्ग पर ग्राम इरागुड़ा स्थित विद्युत पावर हाउस के सामने तेज रफ्तार बस ने एक युवक को टक्कर मार दी थी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हुआ था। उसे 112 की मदद से गुंडरदेही अस्पताल पहुंचाया गया। गुंडरदेही पुलिस ने बस जब्त कर चालक के खिलाफ कार्रवाई की।

सवाल : बेलगाम रफ्तार पर कब लगेगी लगाम.?

लगातार सामने आ रहे बस हादसों ने जिले की सड़कों पर यात्री बसों की रफ्तार और सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक के बाद एक हादसों के बावजूद तेज रफ्तार वाहनों पर प्रभावी निगरानी और कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। यातायात पुलिस और आरटीओ की नियमित जांच, गति नियंत्रण तथा नियमों के पालन को लेकर अब सख्ती की जरूरत महसूस की जा रही है।

एलआईसी एजेंट की चाकू मारकर हत्या, दामाद पर साजिश का आरोप, झारखंड से शूटर बुलाने का दावा

अंबिकापुर । छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में बुधवार को दिनदहाड़े घर में घुसकर 64 वर्षीय एलआईसी एजेंट बशीरुद्दीन उर्फ लज्जू पर जानलेवा हमला कर दिया गया। रसूलपुर इलाके में तीन हमलावरों ने मारपीट के बाद उन पर चाकू से कई वार किए। गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती बशीरुद्दीन की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने बेटी के ससुराल पक्ष पर हत्या की साजिश का संदेह जताया है। पुलिस ने मृतक के दामाद को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को कथित साजिश से जुड़े कुछ सुराग मिलने की बात सामने आई है।

घर में घुसकर किया हमला : जानकारी के मुताबिक, बशीरुद्दीन सुबह अपने घर पर मौजूद थे। इसी दौरान तीन युवक घर में घुस आए और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद आरोपियों ने चाकू से कई वार किए और मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल बशीरुद्दीन को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

झारखंड से हमलावर बुलाने का आरोप : पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि कथित तौर पर दामाद ने ससुर की हत्या के लिए सुपारी दी थी और वारदात को अंजाम देने के लिए झारखंड से तीन हमलावर बुलाए गए थे। हालांकि पुलिस ने अभी इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। बताया जा रहा है कि वारदात के बाद आरोपी अपनी बाइक मौके पर छोड़कर पैदल फरार हो गए।

संक्षिप्त समाचार

सांप के काटने के बाद 11 साल की पहाड़ी कोरवा छात्रा की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सांप के काटने की आशंका के बाद 11 वर्षीय पहाड़ी कोरवा छात्रा की मौत हो गई। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे करीब 60 किलोमीटर दूर कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद बच्ची को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है। घटना कोरबा विकासखंड की देवपहरी ग्राम पंचायत के कनसरा गांव के परसपानी मोहल्ले की है। जानकारी के मुताबिक, नागोराय की 11 वर्षीय बेटी महिमा कक्षा 7वीं में पढ़ती थी। रात में परिवार घर में जमीन पर सो रहा था। इसी दौरान किसी जहरीले जीव ने महिमा को काट लिया। बच्ची की चीख सुनकर परिजन जागे। कुछ ही देर में उसकी हालत बिगड़ने लगी। बताया जा रहा है कि उसके नाक से खून भी निकल रहा था। परिजनों को सांप के काटने की आशंका हुई। घटना की जानकारी परिजनों ने तत्काल कुनबे के मुखिया और सरपंच प्रतिनिधि अमृतलाल राठिया को दी। इसके बाद ग्रामीण निजी वाहन से महिमा को अस्पताल ले जाने के लिए निकले। बताया जा रहा है कि परिजनों ने नजदीकी लेमरू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाने के बजाय सीधे करीब 60 किलोमीटर दूर स्थित कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल जाने का फैसला किया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने बच्ची की जांच की, लेकिन उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद ग्रामीण क्षेत्र में आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, बच्ची की मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम और चिकित्सकीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। ग्रामीणों का कहना है कि दुर्गम और वनांचल क्षेत्रों में सांप काटने जैसी आपात स्थिति में लोगों को तत्काल उपचार मिलना बेहद जरूरी है। घटना ने ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं और जागरूकता की जरूरत को एक बार फिर सामने ला दिया है।

एआईसीसी सचिव के लिए सुबोध हरितवाल का भी हुआ इंटरव्यू

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में राष्ट्रीय संगठन को लेकर चल रही हलचल के बीच दीपक मिश्रा, कोको पाढ़ी और नरेश ठाकुर के बाद अब सुबोध हरितवाल का भी इंटरव्यू हुआ है। एआईसीसी में राष्ट्रीय सचिव पद के चयन की प्रक्रिया के तहत छत्तीसगढ़ के नेताओं से बातचीत की जा रही है। दीपक मिश्रा, कोको पाढ़ी और नरेश ठाकुर को राष्ट्रीय सचिव पद के चयन की प्रक्रिया के तहत दिल्ली बुलाया गया था। तीनों नेताओं के इंटरव्यू के बाद अब सुबोध हरितवाल का नाम भी इस प्रक्रिया से जुड़ गया है। हालांकि अभी किसी भी नेता की नियुक्ति तय नहीं हुई है। इंटरव्यू और चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही यह साफ होगा कि छत्तीसगढ़ से किस नेता को ,ब्रुष्ट में राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी मिलती है। राष्ट्रीय सचिवों के चयन की प्रक्रिया में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की भूमिका बताई जा रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल समेत राष्ट्रीय नेतृत्व इस प्रक्रिया से जुड़ा है। छत्तीसगढ़ से लगातार नेताओं को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाना प्रदेश कांग्रेस के लिए अहम माना जा रहा है। इससे राष्ट्रीय संगठन में प्रदेश के नेताओं की भूमिका बढ़ने की संभावना भी बनी है। कोको पाढ़ी, नरेश ठाकुर, दीपक मिश्रा और अब सुबोध हरितवाल—इन नेताओं के इंटरव्यू के बाद कांग्रेस के भीतर भी चयन को लेकर चर्चा तेज है। सभी की नजर अब राष्ट्रीय नेतृत्व के फैसले पर है। अगर इनमें से किसी नेता को राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी मिलती है तो यह छत्तीसगढ़ कांग्रेस के लिए राष्ट्रीय संगठन में प्रतिनिधित्व बढ़ने का संकेत होगा। फिलहाल नियुक्ति को लेकर कोई अंतिम फैसला सामने नहीं आया है।

अवैध शिकार को रोकने के लिए दो दिवसीय विशेष टाइगर प्रोटेक्शन एवं मॉनिटरिंग प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न

रायपुर। वनमंडल में बाघ संरक्षण और निगरानी को लेकर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न। दो दिवसीय प्रशिक्षण में कैमरे लगाने, गश्त और विज्ञानी साक्ष्य जुटाने का दिया प्रशिक्षण। ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को 'बाघ चौपाल' के जरिए संरक्षण अभियान से जोड़ने पर जोर। सूरजपुर: बाघों की मौजूदगी वाले जंगलों में अब उनकी हर गतिविधि पर पैनी नजर रखने के साथ वन अमला अवैध शिकार और वन्यजीवों के लिए बिछाए जाने वाले फंदों की भी तलाश करेगा। बाघ संरक्षण और निगरानी को अधिक प्रभावी बनाने के लिए सूरजपुर वनमंडल में दो दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें वन अधिकारियों और मैदानी कर्मचारियों को बाघ के पगमार्क से लेकर उसके विचरण मार्ग, मवेशियों के शिकार, अवैध फंदों और अन्य खतरों की पहचान करने के साथ वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। छत्तीसगढ़ शासन, वन विभाग के निर्देश तथा मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) एवं क्षेत्रीय निदेशक, गुरु घासीदास-तमोर पिंगला बाघ अभयारण्य, सरगुजा के मार्गदर्शन में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का उद्देश्य बाघ संरक्षण, मैदानी निगरानी, वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए वन अमले की तकनीकी और व्यावहारिक दक्षता बढ़ाना रहा। पहले दिन सूरजपुर वनमंडल कार्यालय के सभागार में कक्षा आधारित प्रशिक्षण हुआ।

एचडीएफसी बैंक के छत्तीसगढ़ में 25 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष लोगो का किया विमोचन

दूरस्थ ग्रामीण अंचलों तक बैंकिंग नेटवर्क का करें विस्तार-साय

- युवाओं, महिलाओं, किसानों और छोटे उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में एचडीएफसी बैंक के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को एचडीएफसी बैंक द्वारा छत्तीसगढ़ में अपनी सेवाओं के 25 वर्ष पूर्ण किए जाने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस उपलब्धि पर बैंक प्रबंधन, अधिकारियों-कर्मचारियों और ग्राहकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने बैंक के छत्तीसगढ़ में 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में तैयार किए गए विशेष लोगो का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने बैंक के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कहा कि किसी भी प्रदेश की आर्थिक प्रगति में मजबूत और सर्वसुलभ बैंकिंग व्यवस्था की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पिछले वर्षों में बैंकिंग सेवाओं में तेजी से विस्तार हुआ है और डिजिटल तकनीक ने वित्तीय सेवाओं को पहले से अधिक सहज बनाया है। अब आवश्यकता इस बात की है कि आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का लाभ केवल बड़े शहरों और व्यावसायिक केंद्रों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों तक भी समान रूप से पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बैंकिंग नेटवर्क का और विस्तार करते हुए विशेष रूप से बस्तर एवं सरगुजा अंचल के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच बढ़ानी चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण और जनजातीय बहुल है। इन क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता बढ़ने से लोगों को आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने के अधिक अवसर मिलेंगे और सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी अधिक सुगमता से उन तक पहुंच सकेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गांव के नजदीक बैंक की शाखा या बैंकिंग सुविधा उपलब्ध होने का प्रभाव केवल बैंकिंग लेन-देन तक सीमित नहीं रहता। इसके दूरगामी सामाजिक और आर्थिक परिणाम होते हैं। ग्रामीणों को अपने खाते से संबंधित सामान्य कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ता, उनका समय और संसाधन बचता है तथा बचत और औपचारिक बैंकिंग के प्रति उनका विश्वास बढ़ता है। ऋण, बीमा, डिजिटल भुगतान और अन्य वित्तीय सेवाओं तक आसान पहुंच मिलने से परिवारों के आर्थिक सशक्तीकरण का मार्ग भी प्रशस्त होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज केंद्र और राज्य सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं की राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में पहुंच रही है। ऐसे में अंतिम व्यक्ति तक बैंकिंग सेवाओं की सहज उपलब्धता सुशासन की व्यवस्था को भी मजबूत करती है। बैंकिंग नेटवर्क के विस्तार का लाभ नागरिकों के साथ-साथ शासन को भी मिलता है, क्योंकि इससे योजनाओं का लाभ पारदर्शी, सुरक्षित और समयबद्ध ढंग से हितग्राहियों तक पहुंचाने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार से स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी नई ऊर्जा आती है। किसानों को कृषि एवं उससे संबंधित गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता, युवाओं को स्वरोजगार और उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण तथा छोटे व्यवसायियों को अपने कारोबार के विस्तार के लिए पूंजी आसानी से उपलब्ध हो सकती है। इससे गांवों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी तैयार होते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने महिला स्व-सहायता समूहों की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की महिलाएं आज स्व-सहायता समूहों के माध्यम से विभिन्न आजीविका गतिविधियों और छोटे उद्यमों से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

तब छत बचाने की चिंता..... अब सपने सजाने की खुशी

- तब सपनों पर मजबूरी का पहरा, अबज चिंता की जगह चेहरे पर चमक
- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने कुसुम बाई के सपने को दी नई पहचान

रायपुर। संवाददाता

कभी बारिश की बूंदें घर की छत से टपकती थीं और मिट्टी की दीवारों में बनी दरारें परिवार की चिंता बढ़ा देती थीं। बरसात की हर रात इस डर के साथ गुजरती थी कि कहीं कमजोर दीवार या छत कोई परेशानी न खड़ी कर दे। आज वही घर एक मजबूत, पक्का और सुरक्षित आशियाना बन चुका है। यह बदलाव है ग्राम पंचायत जी जामगांव, जनपद पंचायत कुरुद की कुसुम बाई के जीवन का—जहां एक घर ने सिर्फ पता नहीं बदला, बल्कि परिवार के जीवन में भरोसा, सुरक्षा और सम्मान की नई रोशनी भर दी। कुसुम बाई का परिवार लंबे समय तक सीमित आमदनी के बीच जीवन यापन करता रहा। परिवार की आय का मुख्य साधन मजदूरी था। रोज कमाना और उसी से परिवार के भोजन, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और दूसरी जरूरतें पूरी करना—इसी में पूरी आमदनी खर्च हो जाती थी। पुश्तैनी कच्चे मकान में परिवार किसी तरह गुजर-बसर करता था। मिट्टी की दीवारों में चूहों के बिल, सीलन और बरसात में टपकती छत परेशानी का कारण बनती थी। बारिश के दिनों में घर के भीतर पानी टपकने से सामान बचाना और परिवार को सुरक्षित रखना चुनौती बन जाता था। ऐसे में पक्का मकान बनाना परिवार के लिए लंबे समय से देखा जा रहा सपना था, लेकिन आर्थिक परिस्थितियां उस सपने को हकीकत में बदलने की इजाजत नहीं देती थीं। वर्ष 2025-26 में पात्रता के आधार पर कुसुम बाई का चयन प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास निर्माण के लिए हुआ।

हाईवे पर पहुंचा लोनर हाथी, सेल्फी लेने पहुंचे लोगों पर दौड़ा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के केंदई रेंज के चोटिया में नेशनल हाईवे पर एक लोनर हाथी के अचानक पहुंचने से हड़कंप मच गया। हाथी को देखने के लिए सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। कई लोग मोबाइल से वीडियो बनाने लगे, जबकि कुछ लोग सेल्फी लेने के लिए हाथी के बेहद करीब पहुंच गए। इसी दौरान हाथी अचानक आक्रामक हो गया और लोगों की ओर दौड़ पड़ा। हाथी को अपनी तरफ आता देख लोग जान बचाकर भागने लगे और कुछ ही सेकंड में हाईवे पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। राहत की बात रही कि घटना में कोई घायल नहीं हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, लोनर हाथी हाईवे पर पहुंचा तो राहगीर और स्थानीय लोग उसे देखने के लिए सड़क पर रुक गए। देखते ही देखते लोगों की भीड़ जमा हो गई।

छत्तीसगढ़ में सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान की प्रगति तेज

मुख्य सचिव ने की कल्याणकारी योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के अंतिम व्यक्ति और प्रत्येक पात्र परिवार तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से शुरू किए गए महत्वाकांक्षी सुघ्घर छत्तीसगढ़ अभियान की प्रगति को लेकर आज उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने इस दौरान सुघ्घर छत्तीसगढ़ डैश-बोर्ड पर दर्ज योजनाओं के क्रियान्वयन और पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किए जाने की चल रही कार्रवाई की विस्तार से समीक्षा की। सुघ्घर छत्तीसगढ़ ग्रामीण योजना के तहत शासन की विभिन्न योजनाओं के सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए एक विशेष राज्य-स्तरीय डैश-बोर्ड तैयार किया गया है। इस डैश-बोर्ड पर राज्य एवं केंद्र शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं के सर्वेक्षित हितग्राहियों की सूची दर्ज है। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए हैं कि इस राज्य-स्तरीय डैश-बोर्ड में शासन की सभी योजनाओं की जिलेवार संतृप्ति का स्पष्ट विवरण होना चाहिए, ताकि पारदर्शिता और त्वरित गति से योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने निम्नलिखित प्रमुख योजनाओं के संतृप्तिकरण की स्थिति पर अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। प्रधानमंत्री किसान योजना एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड, राशन कार्ड एवं मुफ्त राशन वितरण, जॉब कार्ड एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), महतारी वंदन योजना, कौशल विकास कार्यक्रम, प्रधानमंत्री जन-धन योजना व अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं के साथ ही, भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित बैठक के कार्यवाही विवरण के अनुसार संतृप्ति अभियान की प्रगति, ग्रेन्यूल आंकड़ों।

सौर ऊर्जा से मजबूत हुई जनकपुर अस्पताल की बिजली व्यवस्था.....

रायपुर। संवाददाता

दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर और सुचारु बनाने की दिशा में जिला प्रशासन की पहल से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जनकपुर की विद्युत व्यवस्था मजबूत हुई है। विकासखंड भरतपुर स्थित अस्पताल में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से 7.2 किलोवाट क्षमता का सौर संयंत्र स्थापित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत इस कार्य पर 26.05 लाख रुपये की लागत आई है। जिला मुख्यालय से करीब 110 किलोमीटर दूर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जनकपुर आसपास के दूरस्थ ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों के लोगों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण उपचार के लिए पहुंचते हैं। अस्पताल में चिकित्सा उपकरणों, डीप फ्रीजर और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संचालन के लिए नियमित बिजली आपूर्ति जरूरी है। सौर संयंत्र की स्थापना से पहले बिजली की अनियमित आपूर्ति के कारण अस्पताल में कई बार चिकित्सा सेवाओं के संचालन में व्यवधान की स्थिति बनती थी। बिजली गुल होने पर मरीजों के साथ अस्पताल के स्टाफ को भी परेशानी का सामना करना पड़ता था। सबसे बड़ी चुनौती टीकों और आवश्यक दवाइयों को सुरक्षित तापमान पर रखने की थी, जिसके लिए डीप फ्रीजर का लगातार संचालित रहना जरूरी है। अब सौर संयंत्र की स्थापना से अस्पताल में बिजली की उपलब्धता पहले की तुलना में अधिक सुचारु हुई है। इससे चिकित्सा सेवाओं के संचालन में सुविधा मिल रही है। साथ ही, डीप फ्रीजर में रखे जाने वाले महत्वपूर्ण टीकों और दवाइयों को सुरक्षित रखने में भी मदद मिल रही है। अस्पताल के कर्मचारियों और उपचार के लिए पहुंचने वाले मरीजों ने सौर संयंत्र को दूरस्थ क्षेत्र के लिए उपयोगी पहल बताया है। उनका कहना है कि पहले बिजली बाधित होने पर स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन को लेकर चिंता बनी रहती थी। अब सौर ऊर्जा संयंत्र से बिजली व्यवस्था को मजबूती मिलने के कारण उपचार, दवाइयों के संरक्षण और आवश्यक चिकित्सा व्यवस्थाओं के संचालन में काफी सुविधा हुई है। डीएमएफ मद से स्थापित यह सौर संयंत्र दूरस्थ क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

अगले वर्ष दुनिया की सबसे बड़ी खुली कोयला खदान कंपनी बनने की दिशा में एसईसीएल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के अंतरराज्यीय मीडिया एक्सपोजर टूर के तीसरे दिन ओडिशा से आए पत्रकारों के दल ने मंगलवार को कोरबा जिले में स्थित साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की गेवरा खदान का दौरा किया। इस दौरान पत्रकारों ने बड़े पैमाने पर कोयला उत्पादन, आधुनिक खनन तकनीक, सुरक्षा प्रोटोकॉल और कोयला परिवहन की व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। गेवरा खदान पहुंचने पर पत्रकारों के दल का स्वागत एसईसीएल के महाप्रबंधक संजय मिश्रा और महाप्रबंधक (संचालन) धीरज चौधरी ने किया। संजय मिश्रा ने देश के विकास में कोयले की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि किसी भी देश के ऊर्जा क्षेत्र की कल्पना कोयले के बिना नहीं की जा सकती। खाना पकाने के ईंधन से लेकर इंजन और औद्योगिक इकाइयों को ऊर्जा उपलब्ध कराने तक कोयला आज भी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। महाप्रबंधक (संचालन) धीरज चौधरी ने पत्रकारों को गेवरा खदान के संचालन, कोयला उत्पादन, सुरक्षा उपायों और सुरक्षित एवं प्रभावी खनन के लिए अपनाई जा रही कार्यप्रणालियों की जानकारी दी। उन्होंने उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ सुरक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए किए जा रहे ।

शासकीय योजनाओं से संवरा भविष्य, आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ीं दुर्गेश्वरी धीवर

- महतारी वंदन योजना की राशि से खरीदी सिलाई मशीन, घर से शुरू किया स्कूल यूनिफॉर्म सिलाई का काम

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, समर्पण और जनकल्याण के लिए समर्पित रहे हैं। समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयासों का असर आज देश के साथ छत्तीसगढ़ के गांवों में भी दिखाई दे रहा है। शासकीय योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के लिए आर्थिक संबल बनने के साथ उन्हें आत्मनिर्भरता की नई राह भी दिखा रही हैं। दुर्ग जिले के ग्राम भरर की निवासी श्रीमती दुर्गेश्वरी धीवर के जीवन में महतारी वंदन योजना ऐसी ही उम्मीद लेकर आई। छोटे बच्चों की परवरिश और घर की जिम्मेदारियों के कारण उनके लिए घर से बाहर जाकर मजदूरी या कोई अन्य काम करना संभव नहीं था। परिवार का सहारा बनने और अपनी आय का साधन शुरू करने की इच्छा थी, लेकिन संसाधनों की कमी रास्ते में बाधा बनी हुई थी। मार्च 2024 में महतारी वंदन योजना की शुरुआत के बाद उन्हें नियमित आर्थिक सहायता मिलने लगी। दुर्गेश्वरी ने इस राशि को घरेलू खर्च में समाप्त करने के बजाय भविष्य संवारने के लिए बचत करने का निर्णय लिया। उन्होंने हर महीने मिलने वाली राशि में से थोड़ी-थोड़ी बचत की और इसी बचत से सिलाई मशीन खरीदी। इसके बाद घर से ही सिलाई का काम शुरू कर दिया। आज दुर्गेश्वरी अपने गांव और आसपास के क्षेत्रों से स्कूल यूनिफॉर्म सिलाई के ऑर्डर ले रही हैं। घर की जिम्मेदारियों के साथ वे अपने काम को आगे बढ़ा रही हैं और इससे परिवार की जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक सहयोग दे रही हैं। कभी परिस्थितियों के कारण घर तक सीमित रहने वाली दुर्गेश्वरी अब अपने हुनर और मेहनत के दम पर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं। दुर्गेश्वरी कहती हैं कि मेरे बच्चे छोटे थे, इसलिए मैं काम करने बाहर नहीं जा सकती थी। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि ने मुझे घर बैठे अपने पैरों पर खड़े होने का रास्ता दिखाया। मैंने इसी राशि से बचत कर सिलाई मशीन खरीदी और अपना काम शुरू किया। आज मैं अपने परिवार की जरूरतों में आर्थिक सहयोग दे पा रही हूं। दुर्गेश्वरी ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर देने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना उनके लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की नई

जल जीवन मिशन ने बदली अमलीपारा की तस्वीर

आग की तपिश से ज्यादा तकलीफदेह थी गर्मी में पानी की मार, अब आंगन में बहती नल की धार..

- लोहार दम्पति सहित ग्रामीणों को अब ढोढ़ी से पानी लाने की मजबूरी नहीं

रायपुर/ संवाददाता

कोरबा जिले के कोरबा विकासखंड की दूरस्थ ग्राम पंचायत गिरारी के आश्रित ग्राम अमलीपारा में कभी गर्मी का मौसम आते ही पानी की चिंता सताने लगती थी। सूरज की तपिश बढ़ते ही गांव में पानी के लिए जद्दोजहद शुरू हो जाती थी। घरों की जरूरत पूरी करने के लिए ग्रामीणों को ढोढ़ी से पानी लाना पड़ता था। महिलाओं के साथ पुरुषों और बच्चों को भी पानी जुटाने में अपना समय लगाना पड़ता था। पर अब अमलीपारा की तस्वीर बदल गई है। जल जीवन मिशन के तहत घर-घर नल कनेक्शन पहुंचने से अमलीपारा के ग्रामीणों के आंगन में नियमित रूप से पानी की धार पहुंच रही है। गांव में रहने वाले लोहार दम्पति भारत लोहार और सुनीता लोहार इस बदलाव को अपने जीवन का बड़ा सुखद परिवर्तन मानते हैं। लोहे को गर्म कर उसे आकार और धार देने का काम करने वाले भारत लोहार के लिए आग की तपिश रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है। गर्मी के दिनों में दिनभर भट्ठी की आग के सामने बैठकर मेहनत करना उनके काम का हिस्सा है, लेकिन वे बताते हैं कि आग की लौ से कहीं अधिक तकलीफ उन्हें गर्मी के दिनों में पानी की कमी से होती थी। भारत लोहार बताते हैं कि पहले गर्मी शुरू होते ही पानी की समस्या बढ़ जाती थी। घर की जरूरतों के लिए ढोढ़ी से पानी लाना पड़ता था। पानी लेने जाने में समय लगता था और कई बार काम छोड़कर पानी की व्यवस्था करनी पड़ती थी। इससे रोजी-रोटी का काम भी प्रभावित होता था। अब घर में ही नल से पानी मिलने लगा है, इसलिए पानी के लिए दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ती। वे कहते हैं कि दिनभर लोहे को गर्म कर उसे धार देने के लिए आग के सामने बैठना पड़ता है, लेकिन गर्मी के दिनों में पानी की समस्या उससे भी ज्यादा परेशान करती थी। अब घर के आंगन में नल से पानी आता है, तो यह हमारे लिए बहुत बड़ी राहत और खुशी की बात है।

संपादकीय

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2026 में 21वें स्थान पर खिसकी दिल्ली, क्यों बिगड़ी स्थिति?

यह आलेख शहरों में स्वच्छ हवा की स्थिति को रेखांकित करता है। इसमें लखनऊ के शीर्ष पर रहने, दिल्ली के पिछड़ने और पहाड़ों में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता जताते हुए संयुक्त जिम्मेदारी की बात कही गई है। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 का परिणाम एक ओर कुछ शहरों के लिए राहत भरा है, तो दूसरी ओर इसने कई शहरों की चिंता बढ़ा दी है।

दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में उत्तर प्रदेश के लखनऊ का पहला स्थान निश्चित ही उत्साह जगाता है, मगर इसी सूची में दिल्ली का 21वें पायदान पर होना और शीर्ष दस में हिमाचल प्रदेश के सिर्फ एक शहर का शामिल होना कई सवाल खड़े करता है।

पहाड़ों को हम स्वच्छ हवा, हरियाली और प्राकृतिक सुंदरता का पर्याय मानते रहे हैं और यदि वहां भी प्रदूषण की दस्तक तेज हो रही है, तो समस्या विकास को लेकर हमारे दृष्टिकोण की भी है।हालांकि, वायु गुणवत्ता में सुधार के मामले में चंडीगढ़ का उदाहरण महत्त्वपूर्ण है। वर्ष 2024 में वह 27वें स्थान पर था, 2025 में आठवें पायदान पर पहुंचा और अब सातवें स्थान पर है।जिन शहरों में वायु प्रदूषण का स्तर कम हुआ है, उसके पीछे कई कारण हैं।

हरित क्षेत्र बढ़ाने, निर्माण स्थलों की धूल नियंत्रित करने, कचरे के वैज्ञानिक निपटान, इलेक्ट्रिक वाहनों और यातायात प्रबंधन जैसे उपायों ने इसमें अहम भूमिका निभाई है।सवाल सिर्फ यह नहीं है कि कौन-सा शहर सूची में ऊपर है, बल्कि यह भी महत्त्वपूर्ण है कि किस शहर ने सुधार की राह पर चलकर अपने नागरिकों के लिए हवा को स्वच्छ बनाया और कौन केवल कागजी आंकड़ों में ही उलझा रहा।पहाड़ी प्रदेशों में वायु प्रदूषण का बढ़ाना भी गंभीर चिंता पैदा करता है। हैरत की बात है कि हिमाचल का इकलौता शहर कांगड़ा का डमटाल ही स्वच्छ वायु सर्वेक्षण की सूची में शीर्ष दस में जगह बना पाया है। यह इस बात का संकेत है कि अगर समय रहते नहीं चेते, तो पर्यटन, निर्माण, यातायात और कचरे का दबाव पहाड़ों की हवा को सांस लेने योग्य नहीं छोड़ेगा।सवाल यह भी है कि आखिर इसके लिए जिम्मेदार कौन है? सरकारें, नगर निकाय, प्रदूषण नियंत्रण संस्थाएं, उद्योग, वाहन या फिर आम नागरिक। इसमें दोराय नहीं कि प्रदूषण को कम करने में सभी की भागीदारी जरूरी है, लेकिन नीति निर्माताओं और कानून प्रवर्तन एजंसियों की जिम्मेदारी अधिक है। स्वच्छ हवा सभी नागरिकों का अधिकार है और इसके लिए हर स्तर पर प्रयास किए जाने की जरूरत है।

असम का बिहू, नगालैंड का हार्नबिल, मणिपुर की रासलीला, मिजोरम का चेराव और अरुणाचल के जीवंत जनजातीय उत्सव भारत की सांस्कृतिक पूंजी को अद्वितीय बनाते हैं। पूर्वोत्तर के लोग जब सीमा पर भारतीय सेना के साथ मिलकर 'जय हिंद' का नारा लगाते हैं, तो उनकी देशभक्ति पर संदेह करना या उन्हें सिर्फ उनके चेहरे के आधार पर 'पराया' समझ लेना राष्ट्र के प्रति एक नैतिक अपराध के समान है। पूर्वोत्तर के प्रति मुख्यधारा के समाज में व्याप्त इस भेदभाव की जड़ें नफरत से ज्यादा गहरी अज्ञानता में हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली और सामाजिक विमर्श में पूर्वोत्तर को कभी वह स्थान मिला ही नहीं, जिसका वह हकदार था। दशकों तक हमारे स्कूली इतिहास और भूगोल की किताबों में सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर गंगा-यमुना के मैदानों तक का विवरण तो विस्तार से पढ़ाया गया, लेकिन अहोम साम्राज्य, लचित बोरफुकन का पराक्रम, रानी गाइदिनल्यू का संघर्ष, ब्रिटिश सेना को रोकने वाले तिरोत सिंग और माटीमुर्ती कनकलता बरुआ के बलिदानों को एक-दो पन्नों में समेट दिया गया।

'हमको चीनी मत बोलो, इंडियन बोलो', पूर्वोत्तर की मासूम पुकार और हमारे पूर्वाग्रहों का कड़वा सच

(गिरीश पंकज)

पिछले दिनों अरुणाचल प्रदेश की घाटियों से गूंजी एक नन्ही बच्ची कार्गा टिंकल गोंगो की तोतली आवाज ने पूरे देश के अंतर्मन को झकझोर कर रख दिया था। अपने मासूम चेहरे, खिलखिलाती मुस्कान और तुतलाती जुबान में उसने हाथ जोड़कर पूरे अधिकार से राष्ट्रगान गाया और फिर सहज भाव से यह गुहार लगाई कि 'हमको चीनी मत बोलो, इंडिया बोलो'।

उसकी अनुगूंज अभी शांत भी नहीं हुई थी कि छह सितंबर की रात दिल्ली में मणिपुर के प्रख्यात गिटारवादक चोंगथाम विक्रम सिंह की हत्या ने एक बार फिर पूर्वोत्तर के लोगों को दुख पहुंचाया। इस घटना के विरोध में मणिपुर की युवा पीढ़ी में गहरा आक्रोश है।

समय-समय पर पूर्वोत्तर के लोगों को लेकर उत्तर भारत के कुछ अल्पज्ञ लोगों की मानसिकता विचलित करती है। जबकि पूर्वोत्तर के लोग न केवल इस देश से, बल्कि यहां की भाषा से भी प्यार करते हैं। मणिपुरी साहित्य का हिंदी में अनुवाद करने वाले कम नहीं हैं। इसी वर्ष जनवरी माह में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास नई दिल्ली द्वारा अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में वहां के लेखकों के साथ एक नवलेखन कार्यशाला आयोजित हुई थी।

वहां अरुणाचल का लगभग हर व्यक्ति भलीभांति हिंदी बोल रहा था, समझ रहा था। मणिपुर में भी हिंदी प्रेमियों की कमी नहीं। वहां विश्वविद्यालय में हिंदी का अध्ययन हो रहा है। वहां के लोग विशुद्ध रूप से अपने आप को हिंदुस्तान से ही जुड़ा महसूस करते हैं, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि उत्तर भारत के कुछ लोग नादानीवश वहां के लोगों के रंगरूप को देखकर कुछ और दुराग्रह पाल लेते हैं।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जिसकी नींव विविधता के सम्मान पर टिकी है। यहां भाषा, खान-पान, वेशभूषा और शारीरिक बनावट हर कुछ सौ किलोमीटर पर बदल जाती है। इसके बावजूद, यह अफसोस की बात है कि जब उत्तर-पूर्व का कोई नागरिक देश के अन्य राज्यों, विशेषकर दिल्ली, मुंबई, बंगलुरु या कोलकाता जैसे महानगरों में कदम रखता है, तो उसे अक्सर तिरछी और अजनबी नजरों का सामना करना पड़ता है।

चेहरे की बनावट, विशेषकर 'मंगोली' नैन-नक्श के कारण उन पर कुछ अपमानजनक टिप्पणियां करना एक आम विकृति बन चुकी है। किराए पर मकान ढूंढ़ने से लेकर शैक्षणिक संस्थानों, कार्यस्थलों और सार्वजनिक परिवहन तक, पूर्वोत्तर के युवाओं को लगातार यह अहसास कराया जाता है कि वे 'यहां के नहीं हैं'! जब उन्हें विदेशी कहकर पुकारा जाता है, तो उनके भीतर एक गहरी मनोवैज्ञानिक टूटन पैदा होती है।

अरुणाचल प्रदेश, जिसे 'उगते सूरज की भूमि' कहा जाता है, भारत का वह सीमांत प्रहरी है, जो देश की सीमाओं की रक्षा में दिन-रात अडिग खड़ा रहता है। यहां के लोग प्रतिकूल परिस्थितियों, कठोर मौसम और पड़ोसी देशों की विस्तारवादी गिद्ध-दृष्टि के बावजूद पूरे गर्व से सीना तानकर भारतीय होने का जयघोष करते हैं। अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और पूरा पूर्वोत्तर क्षेत्र देश की सुरक्षा व्यवस्था का सबसे संवेदनशील और महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।

असम का बिहू, नगालैंड का हार्नबिल, मणिपुर की रासलीला, मिजोरम का चेराव और अरुणाचल के जीवंत जनजातीय उत्सव भारत की सांस्कृतिक पूंजी को अद्वितीय बनाते हैं। पूर्वोत्तर के लोग जब सीमा पर भारतीय सेना के साथ मिलकर 'जय हिंद' का नारा लगाते हैं, तो उनकी देशभक्ति पर संदेह करना या उन्हें सिर्फ उनके चेहरे के आधार पर 'पराया' समझ लेना राष्ट्र के प्रति एक नैतिक अपराध के समान है।

पूर्वोत्तर के प्रति मुख्यधारा के समाज में व्याप्त इस भेदभाव की जड़ें नफरत से ज्यादा गहरी अज्ञानता में हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली और सामाजिक विमर्श में पूर्वोत्तर को कभी वह स्थान मिला ही नहीं, जिसका वह हकदार था। दशकों तक हमारे स्कूली इतिहास और भूगोल की किताबों में सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर गंगा-यमुना के मैदानों तक का विवरण तो विस्तार से पढ़ाया गया, लेकिन अहोम साम्राज्य, लचित बोरफुकन का पराक्रम, रानी गाइदिनल्यू का संघर्ष, ब्रिटिश सेना को रोकने वाले तिरोत सिंग और माटीमुर्ती कनकलता बरुआ के बलिदानों को एक-दो पन्नों में समेट दिया गया।

दिल्ली या मध्य भारत में बैठे औसत नागरिक को यह तक ठीक से ज्ञात नहीं होता कि पूर्वोत्तर के आठ राज्यों, जिन्हें 'अष्टलक्ष्मी' भी कहा जाता है, उनकी राजधानियां, भाषाएं और जनजातीय परंपराएं क्या हैं। जब तक देश का समाज यह नहीं समझेगा कि भारत सिर्फ आर्य और द्रविड़ बनावट तक सीमित नहीं है, बल्कि 'मंगोलायड' और 'आस्ट्रो-एशियाटिक' नस्लें भी इस मिट्टी की उतनी ही सच्ची संतानें हैं, तब तक कार्गा टिंकल जैसी बच्चियों को अपने भारतीय होने का प्रमाण देना पड़ेगा।

वर्ष 2014 में दिल्ली के लाजपत नगर में अरुणाचल प्रदेश के 19 वर्षीय छात्र निडो तानिया की उसके बालों और नैन-नक्श पर फब्तियां कसने के बाद पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। कोविड-19 महामारी के दौरान पूर्वोत्तर के नागरिकों के साथ हुए दुर्व्यवहार, उन्हें किराए के घरों से निकाले जाने और उन पर छींटाकशी किए जाने की घटनाएं यह साबित करती हैं कि हमारे समाज का एक बड़ा हिस्सा आज भी गंभीर पूर्वाग्रहों का बंधक है।

राष्ट्र की अवधारणा किसी चेहरे की लंबाई, आंखों के आकार या त्वचा के रंग से तय नहीं होती। राष्ट्र का निर्माण उन साझा मूल्यों, संविधान और भावनात्मक जुड़ाव से होता है, जो नागरिकों को एक सूत्र में पिरोते हैं। विडंबना देखिए कि जब ओलंपिक या अंतरराष्ट्रीय खेलों में मैरी काम, मीराबाई चानू या लवलीना बोरगोहेन देश के लिए पदक जीतकर तिरंगा लहराती हैं, तब सभी भारतीय गर्व से सीना फुलाते हैं, लेकिन जैसे ही वे मंच से नीचे उतरती हैं, उसी क्षेत्र के एक आम छात्र को दिल्ली या बंगलुरु की सड़कों पर अपनी पहचान के लिए जूझना पड़ता है।

यह अब जरूरी हो गया है कि प्राथमिक से लेकर उच्च स्तर तक की पाठ्यपुस्तकों में पूर्वोत्तर के इतिहास, स्वतंत्रता सेनानियों, लोककथाओं और भूगोल को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' जैसी पहलों को केवल सरकारी आयोजनों तक सीमित न रखकर स्कूलों, विश्वविद्यालयों और युवा मंडलों के बीच नियमित विनिमय कार्यक्रमों के रूप में जमीनी स्तर पर लागू किया जाए।

भारतीय सिनेमा और धारावाहिकों में पूर्वोत्तर के कलाकारों को रूढ़िवादी किरदारों से बाहर निकालकर मुख्यधारा की भूमिकाओं में समान अवसर दिया जाए। कार्गा टिंकल गोंगो की तोतली जुबान ने देश को जो संदेश दिया है, वह एक चेतावनी भी है और एक विनम्र आह्वान भी। अब समय आ गया है कि हम अपनी संकीर्ण दृष्टि को त्यागें। कार्गा टिंकल की मासूम पुकार का वास्तविक सम्मान तभी होगा, जब किसी भी भारतीय को यह साबित न करना पड़े कि वह विदेशी नहीं, बल्कि इस भारत भूमि का सच्चा सपूत है। मणिपुर के जाने-माने गिटारवादक विक्रम सिंह इसी देश के नागरिक थे।

उनके साथ दिल्ली में जो हुआ, वह एक तरह से अलगाव को बढ़ावा देता है। एक व्यक्ति या उसका समाज अगर किसी भी समुदाय के प्रति पूर्वाग्रह या दुराग्रह रखता है, तो इसका नुकसान केवल उसे नहीं, बल्कि उसके समाज और देश को भी उठाना पड़ता है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

रूस-भारत संबंध नई ऊंचाइयों पर

(प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय)

यह एक साल से भी कम समय में पुतिन का दूसरा दौरा होगा- पिछला दौरा दिसंबर 2025 में 23वें भारत-रूस वार्षिक समिट के लिए हुआ था। भारत 'अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय' (आईसीसी) का सदस्य नहीं है; इसलिए गिरफ्तारी वारंट का मुद्दा, जैसा कि 2023 में दक्षिण अफ्रीका में हुआ था, यहाँ लागू नहीं होता। ब्रिक्स 2026 समिट पूर्व रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत आगामी दौरे से काफी उम्मीदें हैं, और इस पर तेज़ी से काम चल रहा है। भारत अपनी 2026 की अध्यक्षता के तहत 18वें ब्रिक्स समिट की मेज़बानी कर रहा है। यह समिट 12-13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होना तय है। राष्ट्रपति पुतिन के मुख्य समिट से एक दिन पहले, 11 सितंबर को नई दिल्ली पहुँचने की उम्मीद है। उनके दौरे में हैदराबाद हाउस में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक खास द्विपक्षीय बैठक होगी, जिसमें कई रणनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। भौगोलिकसंदर्भ यह एक साल से भी कम समय में पुतिन का दूसरा दौरा होगा- पिछला दौरा दिसंबर 2025 में 23वें भारत-रूस वार्षिक समिट के लिए हुआ था। भारत 'अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय' (आईसीसी) का सदस्य नहीं है; इसलिए गिरफ्तारी वारंट का मुद्दा, जैसा कि 2023 में दक्षिण अफ्रीका में हुआ था, यहाँ लागू नहीं होता।

द्विपक्षीय एजेंडा में कई अहम क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है – रक्षा और परमाणु ऊर्जा- क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पुष्टि की= भारत को एडवांस्ड सू-57 फाइटर जेट्स की बिक्री एजेंडा में सबसे ऊपर होगी। पेस्कोव ने मंगलवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स नेताओं के समिट से पहले भारतीय पत्रकारों के साथ एक वर्चुअल बातचीत में यह बात कही। अमका में देरी के बाद भारतीय वायु सेना दो स्क्वाड्रन पर विचार कर रहा है। चर्चा में भारत को 5वीं पीढ़ी के सू-57 फाइटर एयरक्राफ्ट के अलावा एस-500 सिस्टम की संभावित बिक्री भी शामिल होने की उम्मीद है। इसके अलावा, रूस नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने पर भारत के साथ बातचीत का इंतज़ार कर रहा है।

व्यापार और वित्तीय सहयोग – दोनों देशों के पश्चिमी प्रतिबंधों के असर को कम करने के लिए राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने पर ज़ोर देने की उम्मीद है। रूसी अधिकारियों ने बताया है कि ब्रिक्स देशों के साथ उनके 90 प्रतिशत तक लेन-देन अब राष्ट्रीय मुद्राओं में किए जाते हैं, जो वित्तीय मज़बूती की दिशा में एक कदम है। द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य 100 बिलियन है। रेयर अर्थ (दुर्लभ खनिजों) की खोज में सहयोग भी एजेंडा में शामिल है। भारत को सेमीकंडक्टर के लिए इनकी ज़रूरत है। रूस के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा भंडार है, जबकि भारत के पास वैश्विक भंडार का लगभग सात प्रतिशत हिस्सा है। रूस रेयर अर्थ खनिजों की खोज में भारत की मदद कर सकता है। सरकारीएजेंसियां

टेक्नोलॉजी और मैन्युफैक्चरिंग – पेमेंट की दिक्कतों के कारण भारत-रूस व्यापार 65 बिलियन पर अटका हुआ है, क्योंकि रूस को डॉलर इम्पोर्ट करने की इजाज़त नहीं है। रूस और ब्रिक्स के बीच अब लगभग 90 प्रतिशत लेन-देन नेशनल करेंसी में हो रहा है, और रुपये के सरप्लस (अतिरिक्त) का मुद्दा धीरे-धीरे सुलझाया जा रहा है। रुपये का वह ढेर - रूस के पास भारतीय बैंकों में लगभग 8 बिलियन अतिरिक्त रुपये पड़े हैं जिनका वह इस्तेमाल नहीं कर सकता - मुख्य मुद्दों में से एक होगा। समिट से पहले, भारतीय इंडस्ट्रियल एजेंसियां मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में गहरे संबंधों के लिए माहौल तैयार कर रही हैं। समिट के दौरान, भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग, क्वांटम टेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर रिसर्च में सरकार और रिसर्च के स्तर पर करीबी सहयोग को बढ़ावा देने की उम्मीद कर रहा है।

भू-राजनीतिक पहलू - भू-राजनीतिक नज़रिए से, यह दौरा भारत की रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। नई दिल्ली रूस पर अपनी पारंपरिक रक्षा और ऊर्जा निर्भरता को संतुलित करते हुए अमेरिका के साथ सहयोग को गहरा कर रही है और व्यापक क्षेत्रीय स्थितियों को भी संभाल रही है। इसके अलावा, राष्ट्रपति पुतिन मोदी को यूक्रेन युद्ध की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी देंगे - भारत को फिर से एक संभावित मध्यस्थ के रूप में देखा जा रहा है। मॉस्को ने यूक्रेन संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के प्रयासों में योगदान देने की भारत की इच्छा का सार्वजनिक रूप से स्वागत किया है, जिससे राजनयिक बातचीत में एक सकारात्मक माहौल बना है। ट्रंप प्रशासन ने भारत को रूसी तेल खरीदने (50 प्रतिशत टैरिफ की धमकी) के बारे में चेतावनी दी है, लेकिन भारत की ऊर्जा ज़रूरतें ज़्यादा अहम हैं। अमेरिका इस समिट पर बारीकी से नज़र रखेगा क्योंकि इसमें डी-डॉलराइज़ेशन पर चर्चा हो सकती है - पेस्कोव पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं= रूस डी-डॉलराइज़ेशन नहीं चाहता; अमेरिका ने खुद डॉलर को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया है।

भारत की 2026 ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम, मज़बूती, इनोवेशन, सहयोग और सस्टेनेबिलिटी के लिए निर्माण के तहत, समिट 11-सदस्यीय समूह में व्यावहारिक सहयोग को बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। इसमें डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को आगे बढ़ाना, क्लाइमेट एक्शन और प्रस्तावित ग्लोबल रिसर्च एडवांस्ड इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क जैसी मल्टीलेटरल पहल शामिल हैं, जो सदस्य देशों के बीच हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग संसाधनों को साझा करेंगी।

बांग्लादेश को दुश्मन खेमे में जाने से रोकने के लिए भारत ने चला बड़ा दांव! शुरू हो सकती है रेल सेवाएं

ऐसे में पूर्वी सीमा पर किसी नए सुरक्षा गठबंधन की मौजूदगी नई दिल्ली के लिए साधारण कूटनीतिक घटनाक्रम नहीं होगी। भारत को अपने पड़ोस को केवल द्विपक्षीय रिश्तों के नजरिये से नहीं, बल्कि एक संभावित मल्टी-फंट सिक्योरिटी थिएटर के रूप में देखना पड़ सकता है। यही वजह है कि भारतीय बैकचैनल यह टटोलने में जुटे हैं कि ढाका वास्तव में कोई बाध्यकारी सैन्य प्रतिबद्धता चाहता है या फिर इस तरह की संभावनाओं का इस्तेमाल भारत समेत अन्य शक्तियों से कूटनीतिक लाभ लेने के लिए कर रहा है।

(नीरज कुमार दुबे)

भारत और बांग्लादेश बंद पड़ी यात्री ट्रेन सेवाओं को फिर शुरू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ढाका में आज से दोनों देशों के रेलवे अधिकारियों की बैठक शुरू हुई है, जिसमें मैत्री, बंधन और मिताली एक्सप्रेस को दोबारा पटरी पर लाने पर चर्चा हो रही है।बांग्लादेश को दुश्मन खेमे में जाने से रोकने के लिए भारत तेजी से सक्रिय हो गया है। ढाका के संभावित रूप से सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान से जुड़े 'मक्का ज्वाइंट डिफेंस एग्रीमेंट' जैसे सामूहिक सुरक्षा ढांचे में शामिल होने की खबरों ने नई दिल्ली की रणनीतिक चिंताएं बढ़ा दी हैं। भारत ने इस मुद्दे पर तीव्र बैकचैनल कूटनीति शुरू कर दी है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि आखिर बांग्लादेश की असली मंशा क्या है। इसी बीच भारत और बांग्लादेश के बीच वर्षों से बंद पड़ी यात्री रेल सेवाओं को फिर शुरू करने की कवायद भी तेज हो गई है। रिपोर्टों के मुताबिक, बांग्लादेश मक्का ज्वाइंट डिफेंस एग्रीमेंट में शामिल होने की संभावनाओं पर विचार कर रहा है। यह एक ऐसा पारस्परिक रक्षा ढांचा बताया जा रहा है, जिसमें सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान शामिल हैं। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बदले राजनीतिक माहौल में ढाका अपनी विदेश नीति को अधिक विविध बनाने की कोशिश कर रहा है। बांग्लादेशी रणनीतिक हलकों में संभावित सदस्यता को तुर्किये की सैन्य तकनीक, सऊदी अरब की आर्थिक सहायता और पाकिस्तान के साथ सुरक्षा सहयोग हासिल करने के अवसर के रूप में देखा जा रहा है। इसे व्यापक रूप से 'मुस्लिम फैमिली' के ढांचे में कूटनीतिक सहयोग बढ़ाने की कोशिश के तौर पर पेश किया जा रहा है। लेकिन नई दिल्ली की नजर से तस्वीर कहीं अधिक गंभीर है। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि पाकिस्तान से जुड़े किसी सामूहिक रक्षा ढांचे का विस्तार सीधे उसके पूर्वी मोर्चे तक हो सकता है। यदि बांग्लादेश औपचारिक रूप से ऐसे किसी सैन्य समझौते में शामिल होता है, तो भारत के आसपास एक नए सामरिक समीकरण का निर्माण हो सकता है। बंगाल की खाड़ी तक फैला सामूहिक सुरक्षा ढांचा भारत की रणनीतिक गणनाओं को बदल सकता है। हम आपको बता दें कि भारत और बांग्लादेश के बीच करीब 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा है। ऐसे में पूर्वी सीमा पर किसी नए सुरक्षा गठबंधन की मौजूदगी नई दिल्ली के लिए साधारण कूटनीतिक घटनाक्रम नहीं होगी। भारत को अपने पड़ोस को केवल द्विपक्षीय रिश्तों के नजरिये से नहीं, बल्कि एक संभावित मल्टी-फंट सिक्योरिटी थिएटर के रूप में देखना पड़ सकता है। यही वजह है कि भारतीय बैकचैनल यह टटोलने में जुटे हैं कि ढाका वास्तव में कोई बाध्यकारी सैन्य प्रतिबद्धता चाहता है या फिर इस तरह की संभावनाओं का इस्तेमाल भारत समेत अन्य शक्तियों से कूटनीतिक लाभ लेने के लिए कर रहा है। शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिकाइसी रणनीतिक तनाव के बीच भारत-बांग्लादेश संबंधों में एक सकारात्मक संकेत भी उभर रहा है। दोनों देश बंद पड़ी यात्री ट्रेन सेवाओं को फिर शुरू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ढाका में आज से दोनों देशों के रेलवे अधिकारियों की बैठक शुरू हुई है, जिसमें मैत्री, बंधन और मिताली एक्सप्रेस को दोबारा पटरी पर लाने पर चर्चा हो रही है। बांग्लादेश रेलवे के अतिरिक्त महानिदेशक (ऑपरेशंस) मोहम्मद नजमुल इस्लाम के अनुसार, दोनों देशों के बीच यात्री रेल संपर्क अगस्त 2024 के बाद से बंद है, जबकि मालगाड़ियां बिना किसी बाधा के लगातार चलती रही हैं। मैत्री एक्सप्रेस ढाका कैंटोनमेंट और कोलकाता के बीच चलती थी, बंधन एक्सप्रेस खुलना और कोलकाता को जोड़ती थी, जबकि मिताली एक्सप्रेस ढाका कैंटोनमेंट से न्यू जलपाईगुड़ी तक संचालित होती थी। इन सेवाओं को जुलाई 2024 में आधिकारिक रूप से निलंबित किया गया था। इसके बाद देशव्यापी अशांति, शेख हसीना सरकार के पतन और 5 अगस्त 2024 को उनके भारत जाने के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तनाव बढ़ गया। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम व्यवस्था के दौरान शेख हसीना की भारत में मौजूदगी और उनके प्रत्यर्पण की मांग जैसे मुद्दों ने संबंधों में खटास पैदा की। हालांकि, बांग्लादेश में 22 फरवरी 2026 को हुए आम चुनाव के बाद एक नया राजनीतिक अध्याय शुरू हुआ। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की जीत के बाद तारिक रहमान के नेतृत्व में नई सरकार बनी और अब दोनों देशों के बीच सामान्य रिश्तों की बहाली की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा महसूस की जा रही है। वर्तमान अंतर-सरकारी रेलवे बैठक यानी ढुलऊरूमें केवल ट्रेनों को शुरू करने पर ही नहीं, बल्कि वित्तीय हिसाब-किताब, सीमा पार ट्रेन परिचालन, वार्षिक लेखा संतुलन, परिचालन क्षमता, रोलिंग स्टॉक और रेलवे ढांचे के विकास जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो रही है। बांग्लादेश की योजना राजशाही से कोलकाता के लिए एक नई ट्रेन शुरू करने की भी है। साथ ही, मैत्री एक्सप्रेस को जमुना ब्रिज के बजाय पद्मा ब्रिज के रास्ते चलाने का प्रस्ताव भी सामने आ सकता है। भारत द्वारा 27 जून से बांग्लादेशी नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा फिर शुरू किए जाने के बाद आम लोगों के बीच भी रेल सेवाओं की बहाली की मांग तेज हुई है। भारतीय उच्चायुक्त ने भी दोनों देशों के बीच 'पीपुल-टू-पीपुल रिलेशन' को बेहद अहम बताया है। दरअसल, यही इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है। एक तरफ भारत बांग्लादेश के संभावित नए सैन्य समीकरणों को लेकर सतर्क है, दूसरी तरफ वह रेल, वीजा, व्यापार और जनसंपर्क के जरिए रिश्तों को सामान्य बनाने की कोशिश कर रहा है। नई दिल्ली समझती है कि अगर ढाका रणनीतिक रूप से दूर गया, तो भारत की पूर्वी सुरक्षा चुनौती स्थायी रूप से बदल सकती है। इसलिए कूटनीति अब सिर्फ दोस्ती बचाने की नहीं, बल्कि बांग्लादेश को किसी संभावित दुश्मन खेमे की ओर झुकने से रोकने की रणनीतिक लड़ाई बन चुकी है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साइबर ठगी की रकम घुमाने वाले म्यूल खातों पर दुर्ग पुलिस की कार्रवाई, 6 खाताधारक गिरफ्तार

02 हजार से 15 हजार कमीशन के लालच में खाते, एटीएम, पासबुक और सिम देने का आरोप; लाखों के संदिग्ध लेनदेन का खुलासा

दुर्ग। साइबर ठगी की रकम के लेनदेन के लिए इस्तेमाल किए जा रहे म्यूल बैंक खातों के खिलाफदुर्ग पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छह खाताधारकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने कमीशन के लालच में अपने बैंक खाते और उनसे जुड़े पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक और सिम कार्ड दूसरे लोगों को उपलब्ध कराए थे। जांच में इन खातों के जरिए साइबर ठगी से प्राप्त रकम के लाखों रुपये के संदिग्ध लेनदेन का पता चला है।

पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर साइबर अपराध में इस्तेमाल होने वाले म्यूल खातों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सुपेला और एसीसीयू ने यह कार्रवाई की। बैंक खातों के लेनदेन, तकनीकी साक्ष्यों और अन्य उपलब्ध जानकारी के विश्लेषण के बाद छह खाताधारकों की पहचान की गई।

2 से 15 हजार रुपये तक लेते थे कमीशन- पुलिस के अनुसार थाना सुपेला के अपराध क्रमांक 679/2026 की विवेचना के दौरान साइबर ठगी से प्राप्त रकम के हस्तांतरण में इस्तेमाल बैंक खातों की जांच की गई। इसमें सामने आया कि संबंधित खाताधारकों ने ?2 हजार से ?15 हजार तक के कमीशन या प्रतिफल के बदले अपने बैंक खातों से जुड़े बैंकिंग साधन अन्य लोगों को उपलब्ध कराए थे।

इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी से हासिल रकम को अलग-अलग बैंक खातों में भेजने और प्राप्त करने के लिए किया गया। बैंक खातों के विश्लेषण में लाखों रुपये से अधिक की संदिग्ध धनराशि के लेनदेन की जानकारी सामने आई।

खाते के साथ एटीएम और सिम भी दिए- जांच में पुलिस को पता चला कि आरोपियों ने केवल बैंक खाते की जानकारी ही नहीं दी, बल्कि पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक और सिम कार्ड भी दूसरे लोगों को इस्तेमाल के लिए उपलब्ध कराए। इनका इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम को आगे ट्रांसफर करने और बैंकिंग लेनदेन संचालित करने में किया गया।

16 सितंबर को तकनीकी साक्ष्य और बैंक लेनदेन के विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने छह संबंधित खाताधारकों के खिलाफवैधानिक कार्रवाई की।

ये छह आरोपी गिरफ्तार

दिनेश सोना (22) – इस्लाम नगर, उत्कल पारा, सुपेला

हेमंत कुमार मिश्रा (37) – शंकर पारा, नूर मस्जिद के सामने, सुपे ला

मोहम्मद आरिफ(30) – दुर्गा चौक, टंकी मरौदा

वीरेंद्र विश्वकर्मा (34) – हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, चरौदा

अखिलेश गुप्ता (55) – अनाज लाइन, नेहरू भवन, सुपेला

रीना देवी – शारदा पारा, छावनी

इलेक्ट्रिक चाक मिलने से बढ़ी उत्पादन क्षमता, मजबूत हुई आजीविका

गरियाबंद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष की सेवा पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसी के अनुरूप फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम भेंड्री के नारद चक्रधारी को छत्तीसगढ़ माटी कला बोर्ड के माध्यम से इलेक्ट्रिक चाक प्रदान किया गया। चक्रधारी लंबे समय से पारंपरिक माटी कला व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। वे घड़ा, मटका, सुराही, दीया, मिट्टी के खिलौने, कलश, गमला सहित विभिन्न घरेलू उपयोग के मिट्टी के बर्तन बनाते हैं। पहले वे हाथ से संचालित पारंपरिक चाक का उपयोग करते थे, जिससे अधिक समय और श्रम लगता था तथा उत्पादन क्षमता भी सीमित रहती थी। इलेक्ट्रिक चाक मिलने के बाद उनके काम में तेजी आई है। पहले वे प्रतिमाह लगभग 10 से 12 हजार रुपये मूल्य के मिट्टी के उत्पाद तैयार कर पाते थे, वहीं अब लगभग 20 हजार रुपये तक के उत्पाद तैयार करने में सक्षम हैं। दीपावली सहित अन्य त्यौहारों के दौरान मांग बढ़ने पर उनकी मासिक आय 22 से 25 हजार रुपये तक पहुंच जाती है। इलेक्ट्रिक चाक से समय की बचत और शारीरिक श्रम में कमी के साथ उनका व्यवसाय अधिक व्यवस्थित एवं लाभकारी हुआ है। नारद चक्रधारी ने शासन की इस पहल के लिए प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आधुनिक उपकरण मिलने से पारंपरिक कारीगरों को अपने हुनर को आगे बढ़ाने और आजीविका को मजबूत करने का अवसर मिला है। नारद चक्रधारी की यह कहानी बताती है कि सेवा और सुशासन का लाभ जब जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचता है, तो वह उसके जीवन और आजीविका में ठोस बदलाव लाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक सेवा काल के अवसर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान इसी सेवा भावना को आगे बढ़ाते हुए लोगों को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी क्षमता को नई दिशा देने का संकल्प है।

भाजपा का सेवा संकल्प अभियान विफलताओं को छिपाने का विज्ञापनी पाखंड : तारिणी चंद्राकर

धमतरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन सेवा में 25 वर्ष पूरे होने के बहाने भारतीय जनता पार्टी द्वारा 17 सितंबर से चलाए जाने वाले एक महीने के सेवा संकल्प अभियान पर जिला कांग्रेस कमेटी धमतरी की अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर नें प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इस अभियान को जनता की गाढ़ी कमाई का दुरुपयोग और विफलताओं पर पर्दा डालने का एक सुनियोजित विज्ञापनी पाखंड करार दिया है। प्रेस को जारी बयान में कांग्रेस जिलाध्यक्ष तारिणी चंद्राकर ने कहा कि देश और छत्तीसगढ़ की जनता इस समय भीषण महंगाई, चरम पर पहुंची बेरोजगारी और आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रही है। युवाओं को प्रतिवर्ष रोजगार देने के वादे खोखले साबित हुए हैं, जिससे शिक्षित युवा दर.दर भटकने को मजबूर हैं।

किसानों की आय दोगुनी करने का दावा करने वाली सरकार ने खाद.बीज के दाम बढ़ाकर कृषि लागत बढ़ा दी है। जब देश की आम जनता इन बुनियादी समस्याओं से जूझ रही है, तब भाजपा सरकार अपनी विफलताओं का जवाब देने के बजाय एक महीने तक आत्म.प्रशंसा और उत्सव मनाने की तैयारी कर रही है। यह जनता की तकलीफों का क्रूर मजाक है। तारिणी चंद्राकर ने आगे कहा कि भाजपा जिस 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन और जन सेवा का ढोल पीट रही है, वह असल में आम जनता के आर्थिक शोषण, गिरती अर्थव्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग की गाथा है। गरीब और मध्यम वर्ग की जेब पर टैक्स का भारी बोझ लादकर कॉर्पोरेट मित्रों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। धमतरी जिले सहित पूरे प्रदेश में विकास कार्य ठप पड़े हैं और कानून.व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

पार्षद पर जैक रॉड से हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। जूटमिल पुलिस ने वार्ड क्रमांक 36 के पार्षद विजय चौहान पर लोहे के जैक रॉड से हमला करने के मामले में फरार आरोपी कमल सारथी (26) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल लोहे का जैक रॉड भी बरामद कर जब्त किया है। घटना के बाद आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार था। उसके घर लौटने की सूचना मिलते ही पुलिस ने दबिश देकर उसे पकड़ लिया।

पुलिस के मुताबिक घटना 12 सितंबर की रात करीब 9:45 बजे पुराने सारंगढ़ बस स्टैंड स्थित मटन मार्केट के पास हुई। वार्ड क्रमांक 36 के पार्षद विजय चौहान जूटमिल पेट्रोल पंप से बाइक में पेट्रोल भरवाकर लौट रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कुछ युवकों को आपस में मारपीट करते देखा। जनप्रतिनिधि होने के नाते वे विवाद शांत कराने के लिए मौके पर पहुंचे।

बताया गया कि वहां कमल सारथी कुछ लोगों के साथ मारपीट कर रहा था। पार्षद ने उसे विवाद करने से मना किया और बीच-बचाव करने की कोशिश की। इससे आरोपी नाराज हो गया और पार्षद से गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि आरोपी ने जान से मारने की धमकी देते हुए हाथ में रखे लोहे के जैक रॉड से पार्षद के सिर पर वार कर दिया। हमले में पार्षद घायल हो गए।

घटना के बाद पार्षद के पिता ने जूटमिल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अपराध क्रमांक 541/2026 के तहत बीएनएस की धारा 109(1), 115(2), 296 और 351(3) में मामला दर्ज किया।

नियमित वेतनमान देने की मांग : लघु वेतन कर्मचारी संघ ने आईटीआई चैक में दिया धरना

कोरबा। छत्तीसगढ़ शासकीय लघु वेतन कर्मचारी संघ ने विभागीय आश्रम एवं छात्रावासों में कार्यरत कलेक्टर दर (आदेशित) चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को रिक्त पदों पर युक्तियुक्तकरण (समायोजन) कर नियमित वेतनमान दिए जाने की मांग को लेकर आईटीआई चैक पर एक दिवसीय सांकेतिक धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद संघ के प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपकर मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की।

संघ ने ज्ञापन में कहा है कि विभाग के आश्रम और छात्रावासों में रसोईया, जलवाहक और चैकीदार के रूप में कलेक्टर दर पर कर्मचारी लंबे समय से सेवाएं दे रहे हैं। इन कर्मचारियों को रिक्त पदों पर युक्तियुक्तकरण करते हुए नियमित वेतनमान का लाभ दिए जाने की मांग लगातार की जा रही है। इस संबंध में कलेक्टर (आदिवासी विकास) कार्यालय द्वारा 27 जून 2025 और 3 अगस्त 2026 को आदेश जारी किए जा चुके हैं। संघ के अनुसार, विभाग द्वारा इस मामले में आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास, नवा रायपुर से मार्गदर्शन मांगा गया है, लेकिन अब तक मार्गदर्शन प्राप्त नहीं हुआ है।

संघ ने आरोप लगाया कि केवल पत्राचार कर विभाग अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास कर रहा है। चेतावनी दी गई थी कि 11 सितंबर तक नियमित वेतनमान का लाभ नहीं दिए जाने पर आश्रमों में कार्यरत रसोईया, जलवाहक और चैकीदारों के साथ विभागीय कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय सांकेतिक ध्यानाकर्षण आंदोलन किया जाएगा। जिसके तहत मंगलवार को प्रदर्शन किया गया।

उड़ीसा से धमतरी आ रही बस में गांजा बरामद, दो अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

धमतरी। जिले में पुलिस ने नशे के सौदागरों पर बड़ा प्रहार किया है। ऑपरेशन निश्चय के तहत बोराई पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। दरअसल बोराई पुलिस बैरियर नाका के पास गाड़ियों और मुसाफिरों की तलाशी ले रही थी। इसी दौरान उड़ीसा से धमतरी की तरफ आ रही एक मुसाफिर बस को रोका गया। तलाशी के दौरान बस में सवार दो लोगों के कब्जे से 11 किलो 330 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। गिरफ्तार हुए आरोपियों की पहचान मध्यप्रदेश के जिला देवास के रहने वाले निखिल वर्मा निवासी सतवास और मोहित गोदरा निवासी गोलागुठान के तौर पर हुई है। ये दोनों अतर्राज्यीय तस्कर बताए जा रहे हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से 11.33 किलोग्राम गांजा, दो मोबाइल फोन और 2350 रुपये नकद समेत कुल 2 लाख 32 हज़ार 350 रुपये का माल ज़ब्त किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। वहीं पुलिस अब गांजे की सप्लाई से जुड़े बैकवर्ड एवं फॉरवर्ड लिंकेज की जांच कर रही है, ताकि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और तस्करी के स्रोत का पता लगाया जा सके।

पर्युषण पर्व आत्मशुद्धिए संयम और क्षमा का संदेश देता है : रंजना साहू

धमतरी। पर्युषण पर्व के पावन अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी पूर्व विधायक रंजना डीपेन्द्र साहू ने समस्त जैन समाज एवं धर्मावलंबियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उन्होंने कहा कि पर्युषण पर्व जैन धर्म का अत्यंत महत्वपूर्ण आध्यात्मिक पर्व है, जो मनुष्य को आत्मचिंतन, आत्मशुद्धि, संयम, अहिंसा और क्षमाभाव की प्रेरणा देता है। रंजना साहू ने कहा कि जैन धर्म की महान परंपरा ने सदैव अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, तप और त्याग जैसे जीवन मूल्यों का संदेश दिया है, पर्युषण पर्व के दौरान श्रद्धालु आत्ममंथन करते हुए अपने जीवन में हुए जाने.अनजाने अपराधों एवं गलतियों के लिए क्षमा

मांगते हैं तथा दूसरों को भी क्षमा करने की भावना रखते हैं। यह पर्व मनुष्य को अपने भीतर की नकारात्मकता को दूर कर सद्भाव, शांति और करुणा के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

साहू ने आगे कहा कि वर्तमान समय में जब समाज में आपसी सद्भाव और भाईचारे की आवश्यकता है। ऐसे पर्वों का महत्व और भी बढ़ जाता है। पर्युषण पर्व हमें संयमित जीवन जीने, जीव मात्र के प्रति दया रखने तथा समाज में प्रेम, सौहार्द एवं परस्पर सम्मान की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है। भगवान महावीर स्वामी के अहिंसा एवं सत्य के सिद्धांत संपूर्ण मानव समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। उनके विचारों को अपने जीवन में अपनाकर हम एक शांतिपूर्ण, संस्कारवान और समरस समाज के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने पर्युषण पर्व के अवसर पर जैन समाज के सभी परिवारों के सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना करते हुए कहा कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में आत्मिक शांति, नई ऊर्जा और सकारात्मकता लेकर आए तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारा निरंतर मजबूत हो।

विश्वकर्मा जयंती पर महापौर रामू रोहरा ने क्षेत्रवासियों को दी हार्दिक शुभकामनाएं

धमतरी। भगवान विश्वकर्मा जयंती के पावन अवसर पर नगर पालिक निगम धमतरी के महापौर जगदीश रामू रोहरा ने समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने भगवान विश्वकर्मा से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। महापौर रोहरा ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को सृजन, निर्माण, शिल्प एवं तकनीकी कौशल का प्रतीक माना जाता है। उनकी जयंती मेहनत, हुनर और कर्म के प्रति समर्पण का संदेश देती है। समाज और राष्ट्र के निर्माण में श्रमिकों, कारीगरों, शिल्पकारों, इंजीनियरों एवं तकनीकी क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा जयंती हमें अपने कार्य के प्रति ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। हमारे कारीगर एवं श्रमिक अपने हुनर और परिश्रम से विकास की मजबूत नींव तैयार करते हैं।

महापौर रामू रोहरा ने इस पावन अवसर पर सभी के उज्ज्वल भविष्य और निरंतर प्रगति की मंगलकामना करते हुए विश्वकर्मा जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

लागत निकालना भी हुआ मुश्किल अतिवृष्टि से उड़द-मूंग की फसलें तबाह, किसानों की मेहनत पर फिरा पानी

महासमुंद। क्षेत्र मे लगातार हुई बारिश ने क्षेत्र के किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। इस बार दलहनी फसलों विशेषकर उड़द और मूंग, की खेती करने वाले किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। टिकरा में अत्यधिक जलभराव के कारण और नमी के चलते फसलें पूरी तरह चौपट हो गई हैं। स्थिति इतनी दयनीय हो चुकी है कि किसानों को बोए गए बीज तक की लागत वापस मिलती नजर नहीं आ रही है। क्षेत्रीय किसानों का कहना है कि उन्होंने कड़ी मेहनत और लागत लगाकर उड़द एवं मूंग की बुआई की थी। फसल की अच्छी पैदावार की आस में जुताई, खाद और महंगे बीजों पर हजारों रुपये खर्च किए गए थे। लेकिन ऐन वक्त पर हुई अतिवृष्टि के कारण पौधों की जड़ें गल गईं और फूल-फलियां सड़कर गिर गईं। अब फसलों की हालत ऐसी हो चुकी है कि मवेशी चराने लायक हो गई है उत्पादन तो दूर, लागत निकालना भी असंभव हो गया है । लागत और मेहनत बेकार तैयार करने से लेकर बीज-खाद तक में लगी रकम डूब जाने से किसानों की महीनों की मेहनत व्यर्थ हो गई है। टिकरा मे उड़द की पत्ते पर फांस और जलभराव से लंबे समय तक पानी रुकने से पौधों में गलन और रोग फैल गया है, जिससे फसल खरपतवार मे तब्दिल हो गई है।

जियो और जीने दो की भावना के साथ मानवता इंसानियत का संदेश देता है क्षमा-विजय मोटवानी

धमतरी। पर्यूषण पर्व पर जैन समाज के द्वारा क्षमा याचना किए जाने वाले एक पवित्र संदेश को आज के समय में शांतिप्रिय एवं सौभाग्यशाली जीवन जीने के लिए सबसे सुगम व सरल अहिंसा परमो धर्म का मार्ग के साथ जिओ एवं जीने दो भावनाओं को समाहित कर इंसानियत एवं मानवता का पैगाम देता है क्षमा पर्व के इस महत्व को बताते हुए नगर निगम के पीडब्ल्यूडी अध्यक्ष विजय मोटवानी ने सभी से क्षमा याचना की है उन्होंने कहा है कि जाने अनजाने में हमारे मानव जीवनकाल के निर्वहन समय पर मनए वचन एकर्म से मानव समुदाय के साथ ही समस्त प्राणी मात्र एवं प्रकृति तथा जीव जंतु से भी आज क्षमा याचना करके अपने जीवन को धन्य बनाते हैं।

छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति और लोक पर्व का परिचायक तीज पर्व : बी के सरिता

धमतरी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में तीजा मिलन समारोह, धूमधाम, उमंग उत्साह, हर्ष उल्लसमय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर सरोज बाला अग्रवाल अध्यक्ष अग्रवाल महिला मंडल, सुनीता अग्रवाल अध्यक्ष महावर वैश्य महिला मंडल, ज्योति गुप्ता पूर्व अध्यक्ष लायनेस एवं लेडीज क्लब, राधिका गांधी अध्यक्ष माहेश्वरी महिला मंडल, ममता खालसा अध्यक्ष माता देवा साहेब सिक्ख महिला मंडल, अनीता खरिया अध्यक्ष गहोई वैश्य महिला मंडल, अति विशिष्ट अतिथि तथा अध्यक्षता ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी सरिता ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दिव्य सत्ता परमपिता परमेश्वर की याद में दिव्य गीत से तत्पश्चात शिव पार्वती और गणेश पूजन व मंगलआरती से हुआ।

कार्यक्रम के सभी अतिथियों ने अपनी अपनी मंगल शुभकामनाओं के साथ.साथ तीजा पर्व को जन् मानस के लिए बेहद खुशी का पर्व बताया। इस अवसर पर सुनीता महावर, ममता खालसा ने और ज्योति गुप्ता ने अपने.अपने सुमधुर आवाज में भजनों की प्रस्तुति दी। ब्रह्माकुमारी सरिता ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और लोक पर्व का परिचायक तीजा पर्व के आध्यात्मिक रहस्य को बताते हुए करू भात से लेकर फलाहार तक सम्पूर्ण व्रत की महत्ता के आध्यात्मिक रहस्य को विस्तार से बताया और यह पर्व न केवल नारी जाति के त्याग तपस्या और समर्पण की गाथा है, अपितु पुरुष वर्ग के द्वारा महिलाओं के प्रति स्नेह, प्रेम और दुलार की खूबसूरत भावनाओं का ऐसा गुलदस्ता है जो सर्वत्र अपनी सुरभि लुटाते रहता है। छत्तीसगढ़ में इस पर्व में ऊंच का कोई भी प्रभाव नहीं होता हर घर में सम्मानीय होती है। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी गरिमा, मॉल्स और साधना ने भी अपने गीत और नृत्य के माध्यम से आकर्षक प्रस्तुति दी।

कामिनी कौशिक और सुषमा नंदा ने तीजा तिहार में दो बेटियों के मन की अभिव्यक्ति को छत्तीसगढ़ी में परिसंवाद के माध्यम से हास्य पूर्ण अंदाज में अभिव्यक्त करते हुए धमतरी में ब्रह्माकुमारी केंद्र के विभिन्न स्थानों और ज्ञान का शुभ संदेश दिया।

सेवा, समर्पण और जनभागीदारी का संदेश लेकर चल रहा सेवा पखवाड़ा

विंध्यवासिनी मंदिर परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान, महापौर रामू रोहरा, आयुक्त अरुण कुमार वर्मा ने किया श्रमदान

धमतरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित सेवा पखवाड़ा, सेवा, समर्पण, जनकल्याण और सामाजिक सरोकारों का संदेश लेकर आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा.2026 के तहत नगर पालिक निगम धमतरी द्वारा बुधवार को विंध्यवासिनी मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में महापौर जगदीश रामू रोहरा एवं निगम आयुक्त अरुण कुमार वर्मा ने स्वयं श्रमदान कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जनभागीदारी का संदेश दिया। महापौर रामू रोहरा के नेतृत्व में आयोजित अभियान में पार्षदगण, एल्डरमैन, निगम के अधिकारी.कर्मचारी, भाजपा कार्यकर्ता तथा शहर के गणमान्य नागरिकों ने बढ़.चढ़कर सहभागिता निभाई। सभी ने एकजुट होकर मंदिर परिसर, आसपास के मार्गों एवं सार्वजनिक स्थलों की सफाई की तथा एकत्रित कचरे का व्यवस्थित निस्तारण किया। इस अवसर पर महापौर रामू रोहरा ने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान या एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की दैनिक जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प को जनभागीदारी के माध्यम से धरातल पर उतारना हम सभी का दायित्व है। जनप्रतिनिधि, निगम अमला और नागरिक जब मिलकर स्वच्छता के लिए आगे आते हैंए तो यह प्रयास जनआंदोलन का स्वरूप लेता है। उन्होंने कहा कि नगर निगम का निरंतर प्रयास धमतरी को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित शहर बनाने का है। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में नियमित स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने घर, मोहल्ले और आसपास के सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखें, कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें तथा दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करें। आयुक्त अरुण कुमार वर्मा ने कहा कि निगम द्वारा शहर की स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नियमित रूप से विशेष अभियान संचालित किए जा रहे हैं। स्वच्छ शहर के निर्माण में निगम के प्रयासों के साथ नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। उन्होंने शहरवासियों से स्वच्छता को अपनी आदत और दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। अभियान के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने स्वच्छ धमतरी, सुंदर धमतरी के संकल्प को मजबूत करते हुए स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। स्वच्छता ही सेवा जनभागीदारी ही शक्ति, स्वच्छ धमतरी, सुंदर धमतरी।

लव अफेयर के शक में नाबालिग पर कैंची से हमला, चेहरे पर किए कई वारय आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पथरीपारा में लव अफेयर को लेकर 18 वर्षीय युवक ने एक नाबालिग किशोर पर कैंची से हमला कर दिया। हमले में किशोर के चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। आसपास के लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी सागर यादव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, सागर यादव का एक नाबालिग लड़की से अफेयर था। बाद में लड़की ने उससे दूरी बनाकर मोहल्ले के ही दूसरे नाबालिग से बातचीत शुरू कर दी। इसी बात को लेकर सोमवार रात सागर और किशोर के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर सागर ने कैंची से उसके चेहरे पर कई वार कर दिए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 109 (हत्या का प्रयास) के तहत मामला दर्ज किया है। पूछताछ में आरोपी ने अपराध कबूल किया, जिसके बाद उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी के खिलाफपहले से आपराधिक मामले दर्ज हैं। नाबालिग रहते हुए उसे एक अन्य मामले में बाल सुधार गृह भेजा गया था।

संक्षिप्त समाचार

सरगुजा प्रवास के दौरान लखनपुर पहुचे विधानसभा नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत

सरगुजा। संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत सरगुजा प्रवास पर आए विधानसभा नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत लखनपुर पहुचे जहाँ उन्होंने कांग्रेस प्रदेश महासचिवनेता रणविजय सिंहदेव के घर रुककर संगठन को मजबूत बनाये जाने कई मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। अंबिकापुर विधायक के प्रशिक्षन को लेकर दिए गए वायरल बयान पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा की ये बहुत ग़लत बात है और सब उनके बारे में अच्छे से जानते हैं अभी नए नए हैं काफ़ी कम समय बचा है अभी उन्हें अपने लोगो के साथ रहना चाहिए और अच्छा व्यवहार करना चाहिए अगर उन्हें आवाज़ उठाना है तो रामगढ़ के लिए उठाये और अदानी के प्रतिनिधि के रूप में काम करना बंद करें। महँगाई के सवाल पर चरण दास महंत ने कहा कि मुख्यमंत्री के क्षेत्र में ही सड़को का बुरा हाल है,शिक्षा और पंचायतों का हाल काफ़ी ख़राब है। सरगुजा में लगातार बढ़ रहे अपराधों के ग्राफपर उन्होंने कहा कि ये छत्तीसगढ़ का दुर्भाग्य है की आज मुख्यमंत्री के क्षेत्र में ही महिलाओं की सुरक्षा सवालों के घेरे में है। आदिवासी मुख्यमत्री होने के बाद भी उनका स्वयं का कोई निर्णय नहीं है और ये छत्तीसगढ़ का दुर्भाग्य है कि वो केवल बड़े बड़े उद्योगपति उनके साथ बंध कर रह गए हैं। प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर दिए जलाने कर्मचारियों के ड्यूटी लगाए जाने के सवाल पर कहा कि ये एक दुष्प्रचार है,आम आदमी आज दिया जलाने वाला नहीं है,जिसके कारण आज पूरे सरकारी तंत्र को दिया बँटवाया भी जा रहा है और जलाया भी जा रहा है। आज आसपास जंगल काट रहे हैं हसदेव तारा और कई सारे जगह पर अब खदान खुल रहे हैं जो हमारे सुनने योग्य नहीं हैं मगर आज चुपचाप देखने के बजाय कुछ नहीं कर सकते क्योंकि मौजूदा सरकार न विरोध की बात सुनती है और न महत्व देती है।

सेवा संकल्प दिवस पर प्राचार्य ने दिलायी शपथ रैली निकाल बनायी मानव श्रृंखला

लखनपुर। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लखनपुर में प्राचार्य रंजना श्रीवास्तव के नेतृत्व में सेवा संकल्प दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्राचार्य ने सभी को सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस पर संकल्प लें कि हम विकसित भारत को लक्ष्य 2047 में अवश्य प्राप्त करेंगे। देश का आदर्श नागरिक बन कर साक्षरों को शिक्षित बनायेंगे। उल्लास कार्यक्रम में सहभागिता निभायेंगे। इस अवसर पर उन्होंने सभी शिक्षक, विद्यार्थियों को शपथ दिलायी। शिक्षक और विद्यार्थियों ने साक्षरता रैली निकाली जो स्कूल परिसर से प्रारम्भ को नगर भ्रमण के उपरांत विद्यालय पहुंच कर सभा में परिणत हो गयी। विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला कर बना कर साक्षरता का संदेश दिया। इस अवसर पर सभी शिक्षक और विद्यार्थी शामिल रहे।

आदिवासी नवलसाय के परिवार में खुशहाली का कारण बनी आजीविका की डबरी

कोरिया। कोरिया जिले के दूरस्थ गांव सलगंवाखुर्द में रहने वाले आदिवासी परिवारों के लिए परंपरागत खेती और वनोपज ही मुख्य साधन हैं। अधिकांश किसान परिवारों की तरह नवलसाय का परिवार भी वर्षों से वन के किनारे बसा हुआ हैं। उनके पास खेत तो थे लेकिन सिंचाई की सुविधा न होने से उन्हें मेहनत का पूरा लाभ नहीं मिल पाता था। ऐसे में रोजगारमूलक योजना के तहत मिली एक निजी डबरी ने उनके लिए बड़ा काम किया है। यह एक छोटा सा जल संसाधन नवलसाय के खेती के कार्य को अब फायदेमंद बना रहा है। डबरी से सिंचाई का साधन बन जाने के बाद नवलसाय ने अपने पांच एकड़ खेतों में धान की फसल की खेती कर ली है। कोरिया जिले के सोनहत जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम संलगंवाखुर्द में रहने वाले नवलसाय के पास केवल कृषि ही आजीविका का साधन है। उनके पास लगभग पांच एकड़ की पैतृक भूमि है और वह अपनी पत्नी और चार बच्चों के साथ अपने खेतों में मेहनत करते हुए जीवन यापन करते हैं। पहले उनके खेतों में सिचाई का कोई साधन ना होने से वह केवल वर्षाजल पर निर्भर रहते थे। ऐसे में अक्सर धान की रोपाई या फिर नर्सरी तैयार करते समय बारिष ना होने से उन्हे हमेषा नुकसान उठाना पड़ता था। साथ ही फसल पकते समय भी बारिष कम हो जाने से अच्छी फसल नहीं होती थी। ऐसे में किसानी से उन्हे कोई विशेष लाभ नहीं हो पाता था। लेकिन जब से डबरी का कार्य पूरा हुआ है वह सिंचाई की सुविधा का लाभ ले रहे हैं। वनवासी किसान नवलसाय ने बताया कि वह सिंचाई के साधन के लिए प्रयास कर रहे थे लेकिन पास में कोई प्राकृतिक जल संसाधन नहीं होने से उनकी समस्या बनी हुई थी। ऐसे में ग्राम सभा से पारित प्रस्ताव के आधार पर उन्हे गत वर्ष आजीविका डबरी की स्वीकृति प्राप्त हुई। मेहनती नवलसाय के परिवारजनों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर अपने खेतों में एक डबरी बनाई और उचित जगह का चयन करने से खुदाई के साथ ही उनकी डबरी में पानी भरने लगा।

सेवा संकल्प अभियान : बलरामपुर में स्वास्थ्य शिक्षा की नई नींव

कृषि मंत्री नेताम ने 60 सीटों वाले नर्सिंग कॉलेज भवन का किया भूमिपूजन

■ कृषि मंत्री बोले, अब जिले में ही तैयार होंगे स्वास्थ्य सेवा के सिपाही

बलरामपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर शुरू हुए सेवा संकल्प अभियान के तहत आज जिला मुख्यालय बलरामपुर में नवीन शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय भवन का भूमिपूजन हुआ। प्रदेश के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भवन की आधारशिला रखी। 60 सीटों वाले इस महाविद्यालय का भवन मरियम पारा में आवंटित 2 एकड़ 80 डिसमिल भूमि पर बनेगा। यह पहल जिले में स्वास्थ्य शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए मंत्री श्री नेताम ने कहा कि नर्सिंग महाविद्यालय बनने से जिले में चिकित्सा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव आएगा। अब तक यहां के विद्यार्थियों को नर्सिंग की पढ़ाई के लिए बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था, जबकि अब यह अवसर उन्हें अपने ही जिले में मिलेगा। उन्होंने कहा कि यहां से प्रशिक्षित युवा सीधे स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ेंगे और ग्रामीण व दूरस्थ अंचलों तक बेहतर उपचार पहुंचाने में सहभागी बनेंगे। मंत्री श्री नेताम ने नर्सिंग को मानवता की सेवा का माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि यह महाविद्यालय जिले की बेटियों और युवाओं को सम्मानजनक रोजगार के साथ समाज सेवा का अवसर भी देगा। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाओं के निरंतर विस्तार का उल्लेख किया और इस पहल को सेवा संकल्प की भावना का प्रतीक बताया। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा कि यह महाविद्यालय जिले के युवाओं के लिए रोजगार का सशक्त माध्यम बनेगा और यहां की बेटियां स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में नई पहचान बनाएंगी। उन्होंने बताया कि एनआरएलएम सहित कई आजीविका गतिविधियां संचालित हो रही हैं, फिर भी स्वरोजगार शुरू करने के लिए महिलाओं को प्राय: ऋण और वित्तीय सहायता पर निर्भर रहना पड़ता है। नर्सिंग का प्रशिक्षण जिले की नारी शक्ति को इस निर्भरता से मुक्त कर स्वावलंबी बनाएगा, क्योंकि स्वास्थ्य देखभाल की आवश्यकता सदैव बनी रहती है। कलेक्टर ने कहा कि बड़े शहरों में कामकाजी परिवार बुजुर्गों की देखभाल के लिए प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ रखते हैं। इसलिए इन युवतियों के लिए रोजगार के अवसर केवल अस्पतालों तक सीमित नहीं रहेंगे। उन्होंने उपस्थित महिलाओं और नागरिकों से महाविद्यालय का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का आग्रह किया, ताकि भविष्य में सीटों की संख्या 60 से बढ़कर 100, 150 और 200 तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि यहां से प्रशिक्षित होकर निकलने वाली बेटियां आत्मनिर्भर बनेंगी, और एक बेटी की शिक्षा दो परिवारों के साथ पूरे समाज के उत्थान का आधार बनती है। छत्तीसगढ़ शासन के चिकित्सा शिक्षा विभाग ने 24 अक्टूबर 2025 को भवन निर्माण के लिए 868.35 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति दी थी। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने 25 फरवरी 2026 को 812.30 लाख की लागत से निर्माण का अनुबंध किया है। इसके तहत कार्य 18 माह में, यानी 25 अगस्त 2027 तक पूरा होना है। डीपीआर के अनुसार भवन दो मंजिला होगा और इसका प्लिंथ एरिया 1287 वर्गमीटर रहेगा। भूमि समतलीकरण के बाद भवन की स्ट्रक्चरल ड्राइंग और डिजाइन भी तैयार हो चुकी है। महाविद्यालय शुरू होने के बाद बलरामपुर-रामानुजगंज और आसपास के आदिवासी बहुल क्षेत्रों के विद्यार्थियों को जिला चिकित्सालय में व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा।

लखनपुर में आरू साहू के कार्यक्रम की धूम, भक्तिमय हुआ लखनपुर.....

लखनपुर। लखनपुर के बसस्टैंड स्थित नवयुवक गणेश पूजन समिति और दुर्गा पूजन समिति बसस्टैंड के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की मशहूर गायिका आरू साहू ने अपना कार्यक्रम लोगो के बीच प्रस्तुत किया। आरू साहू के इस कार्यक्रम को देखने लखनपुर अंबिकापुर उदयपुर सहित आसपास के बड़ी संख्या में लोगो का हुजूम कार्यक्रम का आनंद उठाने उमड़ा। आपको बता दें की इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुलीस बल भी तैनात किया गया था जिसके बाद शांति पूर्ण तरीके से कार्यक्रम संपन्न हुआ। भगवान गणेश के समक्ष पूजा अर्चना में पश्चात प्रारंभ हुआ यह कार्यक्रम देर रात तक चला जिसके बाद लोग देर रात तक आरू साहू के गीतों पर झूमते नजर आए। इस दौरान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का जन्मदिन भी मनाया गया जहां भाजपा के पदाधिकारी और समिति कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस कार्यक्रम के आयोजन में स्थानीय विधायक और कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल का भी सराहनीय योगदान रहा जिसके बाद इस कार्यक्रम का लुत्फ आम लोगो ने उठाया। आयोजित इस कार्यक्रम को लेकर कुछ दिनों पहले से ही समिति के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों द्वारा व्यापक तैयारियाँ की जा रही थी जिसके बाद बड़ी संख्या में भीड़ इस कार्यक्रम को देखने लखनपुर के बसस्टैंड में उपस्थित हुई।

सेवा संकल्प अभियान: रामानुजगंज में कन्हर नदी तट और छठघाट पर सामूहिक श्रमदान...

■ स्वच्छ जल स्रोतों का दिया संदेश हाथों में झाड़ू, मन में सेवा का संकल्प : राम मंदिर से महामाया मंदिर तक स्वच्छ हुआ कन्हर नदी तट

बलरामपुर, सेवा संकल्प अभियान और स्वच्छता ही सेवा 2026 के तहत आज रामानुजगंज में कन्हर नदी तट पर 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्वलन से पहले व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। सुबह 7 से 9 बजे तक राम मंदिर से महामाया मंदिर तक नदी तट और छठघाट क्षेत्र में सामूहिक श्रमदान किया गया। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों ने झाड़ू थामकर घाटों व सीढ़ियों की सफाई की और कचरे का सुरक्षित निपटान किया। इस दौरान लोगों को जल स्रोतों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने का संदेश दिया गया। श्रमदान में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्री आनंद नेताम, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) श्री बाजीलाल सिंह, तहसीलदार श्री मनोज पैंकरा, जनपद पंचायत सीईओ श्री रणवीर साय, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री सुधीर ठाकुर सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

नवोदय के नन्हे आविष्कारकों से मिलीं कलेक्टर: अटल टिंकरिंग लैब के शुभारंभ पर स्मार्ट डस्टबिन से रोबोट तक देखे नवाचार 'ये हैं भविष्य के वैज्ञानिक'

बलरामपुर। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, टांगरमहरी में आज कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने अटल टिंकरिंग लैब (एटीएल) और मल्टी-फाउंडेशनल स्किल लैब का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए तकनीकी और वैज्ञानिक मॉडलों का एक-एक कर अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने रेन डिटेक्टर, स्मार्ट डस्टबिन, लेजर सिक्योरिटी सिस्टम, वायरलेस पावर ट्रांसफर, टच सेंसर, क्लैप सर्किट, डिजिटल मल्टीमीटर, आर्डुइनो आधारित ऑब्स्टेकल डिटेक्शन सिस्टम और ऑडिटरी रोबोट जैसे उपयोगी प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए। कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने विद्यार्थियों से पूछा कि उन्होंने ये मॉडल किस समस्या को ध्यान में रखकर बनाए हैं और ये कैसे काम करते हैं। विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास के साथ अपने प्रोजेक्ट की कार्यप्रणाली और उपयोगिता बताई। जनहित से जुड़े इन नवाचारों से प्रभावित होकर कलेक्टर ने बच्चों को भविष्य का वैज्ञानिक बताया और उनकी खुले मन से सराहना की। मल्टी-फाउंडेशनल स्किल लैब में विद्यार्थियों को कुकिंग जैसे जीवनोपयोगी कौशलों का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। यहां विद्यार्थियों ने कलेक्टर और समिति सदस्यों को रागी व अन्य मोटे अनाजों से बने व्यंजन परोसे, जिनकी सभी ने प्रशंसा की। लैब शुभारंभ के बाद कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक हुई। प्राचार्य ने सत्र 2025-26 की प्रगति, शिक्षकों व स्टाफ की स्थिति और परीक्षा परिणाम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम 90 प्रतिशत से अधिक रहा है और पीएम श्री योजना के तहत सभी कक्षाओं को स्मार्ट क्लास में बदल दिया गया है। कलेक्टर ने परिणाम को शत-प्रतिशत तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करने की बात कही। उन्होंने कहा कि बच्चों का भविष्य गढ़ने में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। बैठक में कलेक्टर ने पालक प्रतिनिधियों से भी विचार जाने। पालकों ने बताया कि उनके बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल रही है। साथ ही उन्होंने विद्यालय तक अधूरे पहुंच मार्ग को पूरा कराने और मिलने आने वाले पालकों के लिए परिसर में शेड व शौचालय निर्माण की मांग रखी। जल जीवन मिशन के तहत नल कनेक्शन और पेयजल सुविधा की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई।

जिला चिकित्सालय में सेवा और सम्मान का संगम है.....

■ कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

■ रेड क्रॉस और दीनहीन सेवा समिति के सहयोग से लगे शिविर में नागरिकों ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

बलरामपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत आज जिला चिकित्सालय बलरामपुर में रक्तदान महादान अभियान आयोजित किया गया। अभियान में प्रदेश के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम शामिल हुए। उन्होंने रक्तदाताओं से आत्मीय चर्चा कर उनके अनुभव जाने। इसके बाद कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी सहित सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और इस महती कार्य में बढ़-चढ़कर भागीदारी के लिए सभी का धन्यवाद किया। रेड क्रॉस सोसायटी और दीनहीन सेवा समिति के सहयोग से लगे इस शिविर में कई रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। मंत्री श्री नेताम ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका जीवन राष्ट्र सेवा को समर्पित है। उनकी सेवा यात्रा से प्रेरणा लेकर आज देशभर में जनकल्याण के कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कामना की कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत निरंतर आगे बढ़ता रहे। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि रक्तदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है। एक व्यक्ति का दिया रक्त किसी अनजान जरूरतमंद को नया जीवन देता है और एक पूरे परिवार की खुशियां लौटा सकता है। उन्होंने मितानिन दीदियों और महिलाओं से भी समय-समय पर रक्तदान करने का आग्रह किया। साथ ही कहा कि महिलाओं में एनीमिया की समस्या अधिक पाई जाती है, इसलिए रक्तदान से पहले स्वास्थ्य जांच अनिवार्य रूप से कराई जाए। उन्होंने सीएमएचओ को जांच में रक्तदान के लिए अनुकूल पाये जाने वाले रक्तदाताओं से ही रक्तदान कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर श्री ओमप्रकाश जायसवाल, जिला पंचायत एवं जनपद सदस्य, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर, जिला पंचायत सीईओ श्री आशुतोष चतुर्वेदी, सीएमएचओ श्री विजय सिंह, अन्य अधिकारी, मितानिन और एएनएम भी मौजूद रहीं। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिलेवासियों ने रक्तदाता बनकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सेवा यात्रा को आगे बढ़ाया और समाज को मानवता व सेवा का संदेश दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर भाजयुमो सरगुजा ने जिला अस्पताल में आयोजित किया रक्तदान शिविर.....

■ सेवा संकल्प अभियान' के प्रथम दिवस युवा कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय युवाओं ने किया रक्तदान

अंबिकापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 'सेवा संकल्प अभियान' के प्रथम दिवस भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला सरगुजा द्वारा अंबिकापुर जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसौदिया के मार्गदर्शन में भाजयुमो जिला अध्यक्ष निशांत सिंह सोलू के नेतृत्व एवं शिविर प्रभारी अभिषेक सिंह पिंटी की भूमिका में किया गया। रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा ही संगठन के संदेश को चरितार्थ करते हुए जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना रहा। शिविर में भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसौदिया, हरपाल सिंह भामरा, जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसौदिया, मधुसुदन शुक्ला, विकास पांडेय, जन्मेजय मिश्रा सहित युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय युवाओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसौदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन देश और समाज की सेवा के लिए समर्पित रहा है। उनके जन्मदिवस को सेवा के संकल्प के रूप में मनाते हुए रक्तदान जैसे सामाजिक कार्यों के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता करना युवाओं की सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाता है। रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने का माध्यम बन सकता है और इससे बड़ा कोई मानवीय सेवा कार्य नहीं है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजयुमो जिला अध्यक्ष निशांत सिंह सोलू ने कहा, हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन जनसेवा और राष्ट्र निर्माण को समर्पित है। उनके जन्मदिवस पर '25 साल जन सेवा, राष्ट्र सेवा' को 'सेवा संकल्प अभियान' के रूप में मनाते हुए युवा मोर्चा ने यह रक्तदान शिविर आयोजित किया है। युवा मोर्चा सेवा के कार्यों के माध्यम से समाज के जरूरतमंद लोगों तक सहयोग पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। अंबिकापुर जिला अस्पताल के डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य अमले द्वारा सुरक्षित एवं व्यवस्थित तरीके से रक्तदान की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई। अस्पताल प्रबंधन ने भाजयुमो की इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए सभी रक्तदाताओं एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा के अनिल सिंह मेजर, ललन प्रताप सिंह, निरूपा सिंह, हरमिंदर सिंह टिन्नी, अनिल जायसवाल, आलोक दुबे, विपिन पांडे, शशिकांत जायसवाल, रविकांत उरांव, प्रिया सिंह, विकास शुक्ला, शानू कश्यप, अनीश सिंह, अविनाश सिंह, रवजोत सिंह, शुभम भदौरिया, आशुमाल गर्ग, अनुराग शुक्ला, ओंकारेश्वर सिंह, सौरभ मिश्रा, आदित्य गौतम, अभिषेक माथुर, मनीष सिंह बिल्टू, आनंद साहू, मंडल अध्यक्ष सुधांशु चौबे, अभिषेक सिंह पावले, रोहन मंडल, लालू प्रसाद यादव, रमेश यादव, नार सिंह सहित बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मधुमेह से बचाव में फायदेमंद होती है खड़े रहने की आदत

अक्सर स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए चहलकदमी और व्यायाम का सुझाव दिया जाता है, लेकिन इस मामले में खड़े रहने की आदत भी मददगार साबित हो सकती है। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2

फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर

रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

खराब इंसुलिन प्रणाली मधुमेह की वजह

एनर्जी मेटाबॉलिज्म और रक्त शर्करा के नियमन में इंसुलिन एक प्रमुख हार्मोन है। कई बार वजन अधिक होने से शरीर में इंसुलिन के सामान्य फंक्शन में गड़बड़ी हो सकती है, जिससे इंसुलिन संवेदनशीलता कम हो जाती है और टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों का खतरा बढ़ जाता है। टाइप 2 मधुमेह दुनियाभर में सबसे आम जीवनशैली की बीमारियों में से एक है। इसकी शुरुआत आमतौर पर बिगड़ी हुई इंसुलिन संवेदनशीलता या इंसुलिन प्रतिरोध से होती है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें शरीर सामान्य रूप से इंसुलिन पर प्रतिक्रिया नहीं करता है और रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है।

एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2 मधुमेह से बचाव के मामले में खड़े रहना फायदेमंद होता है। फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता के बीच संबंध पाया गया है। इतना ही नहीं रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

गतिहीन व्यवहार से इंसुलिन प्रणाली प्रभावित

जीवनशैली का इंसुलिन में रुकावट और टाइप 2 मधुमेह के विकास पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। इन समस्याओं की रोकथाम में नियमित शारीरिक गतिविधि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि अब तक इंसुलिन की रुकावट पर गतिहीन व्यवहार, लगातार बैठे रहने के बीच ब्रेक और खड़े रहने की आदत के प्रभावों के बारे में बहुत कम जानकारी है। तुर्कू पीईटी सेंटर और यूकेके संस्थान के हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इंसुलिन में बाधा और गतिहीन व्यवहार के बीच संबंध की जांच की। इसके

निष्क्रियता के साथ टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों के विकास के बढ़ते जोखिमों को भी देखा।
अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि रोजमर्रा की नियमित शारीरिक गतिविधि या बैठने के समय, फिटनेस स्तर से अलग स्वतंत्र रूप से खड़े रनहा बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा

एवं तुर्कू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तारू गर्थवेट का कहना है कि अध्ययन के निष्कर्ष रोजाना बैठने के समय के एक हिस्से में लोगों को खड़े रहने के लिए प्रेरित करेंगे। खासकर अगर शारीरिक गतिविधि की जरूरतों को पूरा नहीं किया जाता है तो यह तरीका मददगार हो सकता है।

जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम होगी

भी जोर देता है। अध्ययन परिणाम बताते हैं कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस या बैठने में लगने वाले समय की तुलना में शरीर में वसा के प्रतिशत में इजाफा इंसुलिन संवेदनशीलता के मामले में अधिक महत्वपूर्ण कारक है। दूसरी ओर खड़े होना शरीर की संरचना के बावजूद इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा था। शोधकर्ताओं का कहना है कि नियमित व्यायाम को स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है।
मगर ऐसा लगता है कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस और गतिहीन व्यवहार भी इंसुलिन मेटाबॉलिज्म से जुड़े हुए हैं, लेकिन परोक्ष रूप से यह शरीर की संरचना पर उनके प्रभाव के माध्यम से जुड़े हैं। जर्नल ऑफ साइंस एंड मेडिसिन इन स्पोर्ट में प्रकाशित इस अध्ययन के आधार पर अभी तक कारण प्रभावों का अनुमान नहीं लगाया जा सका है। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार परिणाम बताते हैं कि यदि पर्याप्त शारीरिक गतिविधि नहीं की जा रहीं तो रोजाना खड़े होने का समय बढ़ाने से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में मदद मिल सकती है।

कम नींद लेने से हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरिया घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार 60% से ज्यादा भारतीय सोचते हैं कि नींद लेना कोई प्राथमिकता नहीं है। पिछले कुछ सालों में नींद के महत्व और आवश्यक नींद पूरी न होने से जुड़े खतरों के बारे में बताए जाने के बाद भी लोग नींद को उतनी अहमियत नहीं देते जितना कि व्यायाम को देते हैं। हाल ही में देशभर में हुए सर्वेक्षणों से पता चला है कि देश में नींद की कमी गंभीर चिंता का कारण क्यों है?
यहां तक देखा गया है कि लोगों को यह कहने में फख्र महसूस होता है कि वे 4-5 घंटे ही सोते हैं और अपने बाकी के सभी कामों को प्राथमिकता से करते हैं। यदि इस तरह के कम सोने वाले लोग अपनी नौकरी, व्यवसाय व घर-परिवार में कुशल हों तब तो ऐसे लोगों का उदाहरण दूसरे लोगों के लिए पेश किया जाता है कि 'देखो फलाना व्यक्ति ज्यादा सोने में समय बर्बाद नहीं करता है इसलिए तो उसने जीवन में इतना कुछ पा लिया है।'
यह बात और है कि आगे जाकर कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं। हमारे देश में कई लोग आज भी ऐसे हैं, जो ये मानते हैं कि खर्राटे आना गहरी नींद की निशानी है। उन्हें यह समझाना चुनौतीपूर्ण काम है कि दरअसल खर्राटे आना भी एक गंभीर नींद विकारों के कारणों में से एक है।
एक अन्य हाल ही के सर्वेक्षण में यह भी पता चला है कि 19 फीसदी भारतीय वयस्कों की नींद में बाधा का कारण उनके काम करने की शिफ्ट का बदलते रहना है। 32% युवा वयस्क टेक्नोलॉजी के ज्यादा और देर रात तक प्रयोग की वजह से पूरी नींद नहीं ले पाते हैं।
एक वयस्क के लिए भी 7 से 9 घंटे की नींद बेहद जरूरी है। कई मामलों में जो लोग इतना सोते हैं उन्हें देखकर अन्य लोग ऐसे लोगों के लिए राय बना लेते हैं कि 'फलाना व्यक्ति आलसी व कमजोर है',

तो कुछ लोगों को तो खुद ही यह कहने में शर्म महसूस होती है कि 'उन्हें इतना सोने की जरूरत है।' सिर्फ 1 दिन यदि आप 4-5 घंटे से कम सोते हैं, तब आपके शरीर की वे प्राकृतिक कोशिकाएं, जो कैंसर की कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें खत्म करने में सक्षम होती हैं, 70% तक कम हो जाती हैं। आपको कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाएं आपके शरीर में प्रतिदिन बनती हैं। रिपोर्ट के अनुसार नींद की कमी से आंत, प्रोस्टेट और स्तन कैंसर जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। कोशिश यह होनी चाहिए कि आप प्रतिदिन नियमित समय पर सोएं और नियमित समय पर उठें।

क्यों नहीं आती है आपको मीठी नींद

दिनभर की मेहनत और थकान के बाद एक सुहानी नींद पर आपका पूरा हक है लेकिन कई लोगों को बेवजह नींद न आने की शिकायत होती है। आइए मीठी नींद के लिए क्या करें जतन.

रोज सुबह उठकर कसरत करनी चाहिए।
अच्छी नींद लेने के लिए कभी भी दिन में न सोएं और सोने से कुछ देर पहले एल्कोहल या कैफीन का सेवन भूलकर भी न करें।
धूम्रपान न करने से भी नींद अच्छी आती है क्योंकि सिगरेट में पाए जाने वाला निकोटिन नींद में बाधा उत्पन्न करता है।
कई प्रकार के ड्रग्स भी आराम की नींद लेने में बाधक सिद्ध होते हैं।
अगर आप शाम को कसरत करेंगे तो आपको सोने में परेशानी हो सकती है।
जिन महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है उन्हें अक्सर नींद कम आती है। इसलिए शरीर में आयरन की कमी का विशेष ख्याल रखें।
सुबह जब आप उठें तो सूर्य की तेज रोशनी को कमरे में अंदर आने दें। क्योंकि सही प्रकाश की वजह से शरीर को सही ऊर्जा मिलती है।
एक बात और ध्यान रखें कि रात को सोते वक्त बेडरूम में रोशनी कम ही रहनी चाहिए, जिससे अच्छी और भरपूर नींद आ सके।

...तो जनाब अच्छी व गहरी नींद लीजिए और फिर जिंदगी को पूरी ऊर्जा के साथ जी लेने के लिए खुद को तैयार पाइए।

सूखा नारियल सेहत के लिए है कुदरत का वरदान

सूखे नारियल का इस्तेमाल घरों में खीर, आइसक्रीम, स्वीट डिश वगैरह में होता है। ज्यादातर लोग इसे स्वाद बढ़ाने के लिए रेसिपीज में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसकी न्यूट्रीशनल वैल्यू काफी ज्यादा होती है। इस बात पर कम लोगों का ध्यान जाता है। नारियल आपके हार्ट और ब्रेन के लिए अच्छा होता है। साथ ही इसे चबाने से फेशियल एक्सरसाइज भी होती है। इसमें ऐंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बढ़िया होते हैं।

ऐंटीऑक्सिडेंट्स का भंडार

नारियल में फिनॉलिक कंपाउंड होते हैं, जो कि ऐंटीऑक्सीडेंट्स हैं। ये आपकी सेल्स के ऑक्सीडेटिव डैमेज को रोकते हैं। इसमें गैलिक एसिड, कैफिक एसिड, सैलिसिलिक एसिड, पी-कोम्यूरिक एसिड होता है। नारियल आपकी धमनियों में प्लाक बनने से रोकता है जो कि हार्ट ब्लॉकेज की वजह होती हैं।

कनेक्टिव टिश्यूज के लिए फायदेमंद

नारियल में कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो आपके कनेक्टिव टिश्यूज को मजबूत बनाते हैं। नारियल को डायट में शामिल करने से गठिया और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याएं होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा ये स्किन के लिए भी अच्छा होता है।

आयरन की कमी को दूर करता है

महिलाओं में आयरन की कमी बड़ी समस्या है। सूखे नारियल में आयरन काफी मात्रा में पाया जाता है। डेली डायट में नारियल खाने से आयरन की कमी पूरी होती है। बच्चा पैदा होने के बाद महिलाओं को नारियल की कई मिठाइयां इसीलिए बनाकर खिलाई जाती हैं।

पोषकतत्वों का भंडार

सूखे नारियल में प्रोटीन, विटामिन्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीज और सेलिनियम पाया जाता है। ये पोषक तत्व इम्यूनिटी मजबूत करके शरीर को रोगों से बचाते हैं।

दिमाग रखता है मजबूत

नारियल खाने से किसी का आईक्यू तो नहीं बदलता लेकिन आपके ब्रेन फंक्शन को सपोर्ट करता है। स्टडीज में सामने आ चुका है कि नारियल का तेल अल्जाइमर्स होने से रोकता है।

सेहत का रखना है ख्याल तो अर्जुन फल का करें इस्तेमाल

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें।

अर्जुन के वृक्ष को भारत में व्यापक रूप से उगाया जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद ही गुणकारी माना गया है। दरअसल, इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे विभिन्न औषधीय गुण होते हैं। अर्जुन हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत और टोन करता है और हृदय के समुचित कार्य में मदद करता है। इतना ही नहीं, यह उच्च रक्तचाप से लेकर दस्त, अस्थमा और खांसी आदि कई तरह की समस्याओं को दूर करने में सहायक है। अर्जुन के फल से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

सांसों की दुर्गंध से मिलता है छुटकारा

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें। इस फल में ऐसे होते हैं जो आपके मसूड़ों की समस्याओं और दांतों से खून बहने में भी मदद कर सकते हैं और आपको ताजा सांसें प्रदान करते हैं।

हड्डियों का रखते हैं ख्याल

अगर आप किसी किसी भी प्रकार की हड्डी की समस्या से पीड़ित हैं, तो आपको अपने आहार में अर्जुन फल को अवश्य शामिल करना चाहिए। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं या इसे कच्चा खा सकते हैं। यह आपको ऑस्टियोपोरोसिस और गठिया जैसी हड्डियों की परेशानी में भी मदद कर सकता है।

ओरल हेल्थ की समस्याओं को करें दूर

अर्जुन फल खाने से वास्तव में आपकी मसूड़ों की समस्याओं को कम करने और दांतों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिल सकती है। यह दांतों से खून बहने से लेकर दांत दर्द, मसूड़ों में दर्द या मसूड़ों से खून बहना आदि समस्याओं के उपचार में प्रभावी है। आप इस फल को जूस या कच्चा खा सकते हैं। इसके अलावा, अर्जुन के फल के पाउडर का सेवन भी कर सकते हैं और इसे पेस्ट के रूप में उस जगह पर लगा सकते हैं जहां आपको मसूड़े या दांतों की समस्या हो रही है। हालांकि, यह उपाय अपनाने से पहले एक बार डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

सेंधा नमक को करें डाइट में शामिल, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है।

नमक एक ऐसा इंग्रीडिएंट है, जिसका इस्तेमाल हम सभी नियमित रूप से करते हैं। यह भोजन में एक स्वाद शामिल करता है। नमक के बिना भोजन पकाने या उसे खाने की कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं। हालांकि घरों में लोग टेबल सॉल्ट का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप नमक को अपने स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बनाना चाहते हैं तो आज ही सेंधा नमक खाना शुरू कर दें। सेंधा नमक में सोडियम, पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत को लाभ पहुंचाते हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में सेंधा नमक का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह स्वस्थ त्वचा और बालों से लेकर वजन घटाने तक कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। सेंधा नमक से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

पाचन तंत्र के लिए लाभदायक

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है। यह भूख की कमी की समस्या को सुधारने में भी मदद करता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है

सेंधा नमक विटामिन के से भरपूर होता है, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और आपकी प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। यह शरीर की हड्डियों के चयापचय को भी बढ़ाता है, जो कई बीमारियों से बचाता है। मांसपेशियों में ऐंठन से राहत सेंधा नमक में सोडियम क्लोराइड का शुद्ध रूप और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। इलेक्ट्रोलाइट पोटेशियम और नमक असंतुलन मांसपेशियों में ऐंठन के लिए एक जोखिम कारक हो सकता है। तो, सेंधा नमक पोटेशियम की कमी को संतुलित कर सकता है और मांसपेशियों में ऐंठन को रोक सकता है।

गले की खराश का करता है इलाज

गले में खराश के लिए खारे पानी से गरारे करना एक आम घरेलू उपाय है। सेंधा नमक में डिकॉन्गेस्टेंट गुण होते हैं जो आपकी बंद नाक, खांसी को दूर करने में मदद करते हैं। यह टॉन्सिलिटिस अस्थमा के लिए भी एक प्रसिद्ध उपाय है, और यह आपके फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

रक्तचाप को करे बैलेंस

सेंधा नमक में पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। शोध बताते हैं कि सेंधा नमक रक्तचाप को संतुलित रखता है।

11 दिन से भूखे बैठे किसान, फिर भी नहीं सुनी गुहार

उद्योगपतियों के करोड़ों के कर्ज माफ होने पर उठे सवाल - किसान नेता बाबा टेक सिंह चंदेल

11वें दिन खैरागढ़ के राजा स्वर्गीय देवव्रत सिंह की पत्नी पदमा सिंह ने किसानों को दिया समर्थन

SDM को किसानों के नाम सहित सौंपा ज्ञापन, 24 सितंबर को मुख्यमंत्री निवास घेराव का ऐलान कायम

धमधा। ऋण माफी सहित विभिन्न मांगों को लेकर किसान बंधु संगठन के नेतृत्व में चल रही किसानों की क्रमिक भूख हड़ताल गुरुवार को 11वें दिन भी जारी रही। किसान आंदोलन स्थल पर डटे हुए हैं और अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज करा रहे हैं।

11वें दिन किसानों को मिला पद्मावती सिंह का समर्थन- आंदोलन के 11वें दिन खैरागढ़ के राजा एवं पूर्व विधायक स्वर्गीय देवव्रत सिंह की पत्नी पदमा सिंह आंदोलन स्थल पहुंचीं और किसानों की मांगों का समर्थन किया। उन्होंने किसानों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और आंदोलन के प्रति अपना समर्थन जताया।

पदमा सिंह ने कहा कि आज किसान इस सरकार में इतने विवश हो गए हैं कि उन्हें अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर बैठकर आंदोलन करना पड़ रहा है, जो बेहद निंदनीय है।

उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान सरकार को गंभीरता से करना चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आज भाजपा के लोग किसानों और युवाओं को प्रताड़ित कर रहे हैं।

बाबा टेक सिंह चंदेल ने सरकार पर उठाए सवाल- किसान नेता बाबा टेक सिंह चंदेल ने कहा कि जिस देश में किसान अन्न उगाकर करोड़ों लोगों का पेट भरता है, उसी किसान को अपनी जायज मांग और कर्जमाफी के लिए सड़क पर भूखे बैठना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि एक तरफकिसान कर्ज के बोझ और अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करने के लिए मजबूर हैं, वहीं दूसरी तरफ उद्योगपतियों के करोड़ों रुपये के कर्ज माफ किए जाने और सेटलमेंट किए जाने की बातें सामने आती हैं।

बाबा टेक सिंह चंदेल ने कहा कि अन्नदाता को अपनी जायज मांग के लिए सड़क पर भूखे बैठना पड़ रहा है। किसानों की समस्याओं का समाधान होना चाहिए और वर्ष 2018 की ऋण माफी से जुड़े मामलों की पूरी पारदर्शिता के साथ जांच होनी चाहिए।

किसानों के नाम सहित प्रशासन को सौंपा ज्ञापन- आंदोलन के 10वें दिन किसानों ने अपनी मांगों को लेकर SDM को किसानों के नाम सहित ज्ञापन सौंपा था। किसानों की मांग है कि बैंक रिकॉर्ड और शासन के पुराने रिकॉर्ड की जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि वर्ष 2018 में कितने किसान ऋण माफी के पात्र थे और कितने किसानों को इसका लाभ मिला।

किसान बंधु संगठन का कहना है कि पात्र किसानों को ऋण माफी का लाभ नहीं मिलने की स्थिति में संबंधित मामलों की जांच कर उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।

24 सितंबर को मुख्यमंत्री निवास घेराव का ऐलान कायम- किसान बंधु संगठन ने स्पष्ट किया है कि 24 सितंबर को मुख्यमंत्री निवास (छरू हाउस) घेराव का कार्यक्रम पूर्व निर्धारित अनुसार रहेगा। संगठन का कहना है कि किसान अपनी मांगों को सरकार के सामने मजबूती से रखेंगे और ऋण माफी से जुड़े मामलों के निराकरण की मांग करेंगे।

फिलहाल किसानों की क्रमिक भूख हड़ताल 11वें दिन भी जारी है। किसान नेताओं का कहना है कि जब तक उनकी मांगों का उचित निराकरण नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

आंदोलन में किसान नेता बाबा टेक सिंह चंदेल, किसान बंधु संगठन धमधा ब्लॉक अध्यक्ष आत्मा साहू, डॉ. जोहन वर्मा, पूर्व जनपद सदस्य, मोती राम वर्मा पूर्व सरपंच, पंचराम साहू, दुवासू साहू, मनसुख साहू, बिसंभर साहू, भानु साहू, सुभाष साहू, गोलू साहू, हेमराज साहू, तेजराम साहू, नेतु साहू, कमलेश जंघेल, चेतन देवांगन,गौकरण दास मानिकपुरी, भारतगिरि गोस्वामी, डॉ. हर्ष साहू, ओम पटेल सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

शासकीय लक्ष्मणेश्वर महाविघालय खरौद में मनाया गया हिंदी दिवस

शिवरीनारायण। शासकीय लक्ष्मणेश्वर पी जी कालेज खरौद में हिन्दी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ उपस्थित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती, भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना के साथ हुआ। अंग्रेजी के प्राध्यापक ओ.पी.महिपाल ने भाषा और साहित्य के मद्देनजर हिंदी भाषा और देश की अन्य भाषाओं से हिंदी के मेल जोल के संबंध में विस्तृत विचार प्रस्तुत किया तथा महाविघालय के प्राचार्य डॉ.जी.सी.भारव्दाज ने अपने उद्बोधन में भाषायी सांस्कृतिक एकता और हिंदी भाषा विषय पर अपने विचार रखे। पुरा पाषाण युग,वैदिक युग,आदिकालीन हिंदी साहित्य और भाषा तथा संविधान द्वारा स्वीकृत हिंदी भाषा और राज्यों की बोलियों और भाषाओं पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसी तरह महाविघालय के क्रीड़ाधिकारी विश्वास विश्वकर्मा ,प्रो. आर. के कवंर ,प्रो.एल श्रीवास तथा छात्र छात्राओं एवं कार्यक्रम की नोडल अधिकारी प्रो.बलराम कौशिक ने भी अपना विचार प्रस्तुत करते हुए उपस्थित जनों के प्रति आत्मीय आभार व्यक्त किया। तत्पश्चात कार्यक्रम समापन की घोषणा की गई।

गणेश समितियों की अधिकारियों ने ली मीटिंग, डीजे और पॉली पापर को लेकर दिए निर्देश

गणेश पर्व पर पंडालों के आसपास सफाई रखने की गई अपील

राजनांदगांव। नगर निगम सभाकक्ष में शहर की गणेश समितियों के पदाधिकारियों की बैठक ली गई। इसमें जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने गणेश समिति के पदाधिकारियों से कहा कि डीजे साउंड को मानकों के अनुरूप की बजाय। इसके अलावा पंडाल या रैली में पाली पापर का उपयोग न करे।

इसके अलावा गणेश पंडाल के आसपास सफाई का पूरा ध्यान रखे। अधिकारियों ने कहा कि संस्कारधानी में गणेश पर्व काफी धूमधाम से मनाया जाता है, इसलिए गरिमा को ध्यान में रखकर इसे मनाया जाना चाहिए। निगम आयुक्त जीआर मरकाम ने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना में स्वच्छता का विशेष महत्व है। हमारा स्वच्छता अभियान माह 17 सितम्बर से चालू होकर 17 अक्टूबर तक चलेगा। इसी परिप्रेक्ष्य में आज गणेश समितियो की बैठक बुलाई गयी है। गणेश आगमन के दौरान यह देखा गया है, कि अधिकांश समितियो के द्वारा पॉली पापर उड़ाया गया है, जिससे पूरा शहर में गंदगी फैल गई। पॉली पापर का पालिथीन की सफाई नहीं होती जमीन में चिपक जाती है, वह ऐसा प्लास्टिक है, जो 50 साल तक नहीं सड़ता, जिससे स्वच्छता में दुष्प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमारे सफाई कर्मी उसकी सफाई नहीं कर पाते। इसका उपयोग नही करने आप सभी समितियो से अपील की जा रही है, उन्होंने कहा कि आप उत्सव मनाने के दौरान पॉली पापर के स्थान पर गुलाब की पंखुडी का उपयोग कर सकते है।

मीटिंग का उद्देश्य सौहाद्रपूर्ण वातावरण

एसडीएम गौतम पाटिल ने कहा कि बार-बार आप लोगों की मिटिंग लेने का उद्देश्य सौहाद्रपूर्ण वातावरण में गणेश पर्व मनाना है। कल जब गणेश स्थापना हुई उस दौरान देर रात तक डीजे लगातार बजता रहा शासन के निर्देशानुसार रात 10 बजे के बाद डीजे बजाना प्रतिबंधित है, इसका उद्देश्य लोगों पर इससे पड़ने वाला दुष्प्रभाव है। इसी प्रकार पूरे शहर में पॉली पापर बिखरा पड़ा था, जिससे शहर में चारों ओर गंदगी नजर आ रही थी। उन्होंने कहा कि सभी समिति सहयोग करे और इसका पालन करे। सीएसपी वैशाली जैन ने कहा कि पण्डाल के आसपास चार पहिया वाहन न रखे, इसपर विशेष ध्यान दे। भीड़ को देखते हुए पण्डाल के पास वाहन पार्क न होने दे, प्रशासन द्वारा तो व्यवस्था की जा रही है, आप लोग भी इसमें सहयोग करे। उन्होंने कहा कि सभी विषयो पर चर्चा हो चुकी है, आप लोग व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग प्रदान करे। एसडीओपी. सत्यप्रकाश तिवारी ने कहा कि संस्कारधानी में गणेश पर्व की अपनी अलग पहचान है। उस पहचान को कायम रखना है। ध्वनि प्रदुषण के लिए हाई कोर्ड द्वारा कार्यवाही करने के निर्देश है, डीजे को आप जनता के हित में बैन किया जाता है, किसी को परेशान करना उद्देश्य नही हैं।

पीएम-जनमन योजनाः जशपुर जिले में रोशन होंगे विशेष संरक्षित जनजाति परिवारों के घर, 48 लाभार्थियों को मिली स्वीकृति

जशपुरनगर। विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूहों के जीवन स्तर को सुधारने और उनके गांवों तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री जनमन विकास मिशन योजना के तहत जशपुर जिले में विद्युतीकरण कार्य को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। इस योजना के तहत जिले के मनोरा और बगीचा विकासखंड के विभिन्न सुदूर गांवों तथा टोलों में रहने वाले 48 विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों का विद्युतीकरण स्वीकृत किया गया है।

अंधेरे से मुक्ति, रोशन होंगे घर-जिले के अत्यंत दुर्गम क्षेत्रों में बसे पहाड़ी कोरवा एवं अन्य संरक्षित जनजातीय परिवारों के घरों तक बिजली पहुंचाने के लिए यह पहल की गई है। पूर्व में भौगोलिक परिस्थितियों के कारण जिन मजरे-टोलों तक बिजली नहीं पहुंच सकी थी, अब उन सभी चिन्हित परिवारों को पीएम-जनमन योजना के तहत विद्युतीकृत किया जा रहा है। ब्लॉक एवं गांववार लाभान्वितों की सूचीः मनोरा ब्लॉकःडोंगझरण (बिरनीढाब टोला): किशुन राम, चमरी बाई, रतिया राम। रेमने (भुरुघाट व कोरवा बस्ती): संजय राम, सरिता बाई, रूबेन राम, जगमती बाई, सुखदेव राम, सिकंदर, बिहारू राम, बंधनु राम। करदाना (डाकाकोना टोला): छारी बाई, सुकी बाई, रतु राम, दिनेश राम, मधु राम, मोहन राम, नानकी बाई, झगना राम, असारू राम, बालकुंवर। बगीचा ब्लॉकः महानई (हरैया टोला): सुंदर राम, बाल कुंवर, लुदाई, भूखन। सरडीह (छिंदपानी टोला): निहार साय, जनक साय, फूलो बाई, दिलबारी, बाबूनाथ, बाबूलाल, प्रमोद, लालचंद, संतोष कुमार, घनश्याम, सुमर साय, केश्वर, लोहार साय, श्री राम, आनंद, बिफ्ल राम, टाटू राम। सुलेशा (टुकूपानी टोला): रोना/भानूराम, बिफना/बाना, सोमरू/महादेव, सोहन/रोना राम, गुड्डु/रोना राम, बुधराम/थिरो।

बच्चों की पढ़ाई और आजीविका में होगा सुधार

जिले में कुल 48 हितग्राहियों का चयन कर उन्हें योजना से जोड़ा गया है। बिजली आने से इन क्षेत्रों के बच्चों को रात में पढ़ाई करने में सहूलियत होगी, वहीं जहरीले जीव-जंतुओं के खतरे से सुरक्षा मिलेगी। स्थानीय ग्रामीणों ने शासन की इस पहल पर खुशी जताई है। क्रेडा विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार पीएम जनमन योजना के अंतर्गत जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में विभाग द्वारा 48 विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के घरों तक बिजली पहुँचाने के लिए विद्युतीकरण कार्य स्वीकृत किया गया है। इस पहल से न केवल इन परिवारों के जीवन स्तर में सुधार आएगा, बल्कि सुदूर क्षेत्रों में ऊर्जियारा फैलने से विकास की नई राहें भी खुलेंगी।

आईपीआर एवं डेटा विश्लेषण पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

दुर्ग। शासकीय वाई.टी. पी.जी. स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के जूलॉजी विभाग द्वारा आईक्यूएसी एवं आईआईसी के बैनर तले तथा रूसा के प्रायोजन में ÷आईपीआर एवं डेटा विश्लेषण÷ विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।

कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में छत्तीसगढ़ काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी , रायपुर के साइंटिस्ट - 'डी' डॉ. अमित दुबे मुख्य अतिथि एवं प्रथम दिवस के रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य डॉ. अभिषेक सुराना ने की। वहीं स्वायत्त प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. जगजीत कौर सलूजा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना, राष्ट्रीय गीत एवं राज्य गीत से हुआ।कार्यशाला की संयोजक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या के. मिंज ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कार्यशाला के उद्देश्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान शोध परिदृश्य में वैज्ञानिक आंकड़ों का उचित विश्लेषण तथा शोध से प्राप्त नवीन विचारों एवं उपलब्धियों का बौद्धिक संपदा अधिकारों के माध्यम से संरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उद्घाटन के पश्चात प्रथम दिवस के रिसोर्स पर्सन डॉ. अमित दुबे ने IPR विषय पर विस्तृत एवं उपयोगी व्याख्यान दिया। प्रथम सत्र में उन्होंने बौद्धिक संपदा अधिकार की अवधारणा, आवश्यकता तथा इसके विभिन्न घटकों के बारे में जानकारी दी। भोजनावकाश के पश्चात आयोजित द्वितीय सत्र में उन्होंने विशेष रूप से पेटेंट की अवधारणा, शोध एवं नवाचार में उसकी उपयोगिता तथा शोध परिणामों के संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला के अंत में आयोजित इंटरैक्टिव सेशन में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए IPR एवं पेटेंट से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे। डॉ. दुबे ने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी सुश्री प्राची चंद्राकर ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. संजू सिन्हा ने किया।

हिंदी हमारी आत्मा की भाषा एवं अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम : डॉ. घनश्याम दुबे

निराला साहित्य मंडल चांपा द्वारा हिंदी दिवस समारोह आयोजित

चांपा। निराला साहित्य मंडल चांपा के तत्वावधान में हिंदी दिवस के अवसर पर कैलाश सा मिल सभागार में विशेष साहित्यिक एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. घनश्याम दुबे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पं. दिनेश दुबे एवं छत्तीसगढ़ी भाखा में श्रीमद्भगवद्गीता का अनुवाद करने वाले साहित्यकार रविन्द्र सोनी 'भारत' उपस्थित थे।कार्यक्रम में मंडल के मुख्य संरक्षक पं. हरिहर प्रसाद तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पं. घनश्याम शर्मा, पं. रामकिशोर शुक्ला, कोषाध्यक्ष पं. रामगोपाल गौराहा सहित साहित्यकार, शिक्षक एवं गणमान्यजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं महाप्राण निराला के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। मंडल के सचिव डॉ. रविन्द्र द्विवेदी ने उपस्थित अतिथियों एवं साहित्यप्रेमियों के साथ समवेत स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। तत्पश्चात मंचस्थ अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं अक्षत-चंदन से स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. घनश्याम दुबे ने कहा कि हिंदी हमारी अभिव्यक्ति का श्रेष्ठ एवं सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि निराला साहित्य मंडल का उद्देश्य हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रचार-प्रसार के साथ नई पीढ़ी को हिंदी साहित्य से जोड़ना है। हिंदी दिवस हमें अपनी भाषा के संरक्षण, संवर्धन और उसके व्यापक उपयोग के प्रति अपने दायित्व का स्मरण कराता है। उन्होंने अपने दक्षिण भारत प्रवास के अनुभव साझा करते हुए हिंदी बोलने और समझने में आने वाली कठिनाइयों का उल्लेख किया तथा कहा कि इससे हिंदी भाषा की उपयोगिता और उसके व्यापक महत्व का सहज अनुभव होता है। इस अवसर पर श्रीमद्भगवद्गीता का छत्तीसगढ़ी भाखा में अनुवाद करने वाले साहित्यकार रविन्द्र सोनी 'भारत' का निराला साहित्य मंडल चांपा द्वारा आत्मीय अभिनंदन किया गया। सम्मान से अभिभूत सोनी 'भारत' ने मंडल के प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि अपनी लोकभाषा में श्रीमद्भगवद्गीता के भावों को जन-जन तक पहुँचाना उनके लिए साहित्यिक दायित्व के साथ आत्मिक संतोष का विषय है। उन्होंने हिंदी तथा छत्तीसगढ़ी दोनों भाषाओं की समृद्ध परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन से ही हमारी सांस्कृतिक विरासत और लोकचेतना सशक्त होगी। उन्होंने निराला साहित्य मंडल द्वारा हिंदी दिवस के अवसर पर किए गए सम्मान के लिए सभी पदाधिकारियों एवं साहित्यप्रेमियों का आभार व्यक्त किया।मंडल के मुख्य संरक्षक एवं प्रमुख प्रवक्ता पं. हरिहर प्रसाद तिवारी ने कहा कि हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारी भावनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति है।

दिनदहाड़े निर्माणाधीन नालंदा परिसर में चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार, बसंतपुर थाना की कार्रवाई, आरोपियों से सामान भी बरामद

राजनांदगांव। बसंतपुर एरिया में निर्माणधीन बिल्डिंग में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से चोरी किया हुआ सामान भी बरामद कर लिया गया है। आसपास मौजूद सीसीटीवी कैमरों के फुटेज से आरोपियों की पहचान कर उन्हें अरेस्ट किया गया है। आरोपियों के खिलाफ धारा 331(3),305 भारतीय न्याय संहिता पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार स्टेशन पारा निवासी सुरेश साहू ने बताया कि 15 सितंबर को सुबह 6 से 8 बजे के बीच गौरवपथ स्थित सिंघल एसोसिएट्स द्वारा नालंदा परिसर के निर्माणधीन बिल्डिंग से लोहे का सेट्रिंग, स्क्रेप रॉड एवं बाइक (सीजी-08 एच 5436) को अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। बसंतपुर थाना टीआई कौशलेश देवांगन के नेतृत्व में टीम गठित कर घटना स्थल के आसपास एवं शहर के चौक चौराहों में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला गया। संदेह के आधार पर आरोपी सुनील निर्मलकर निवासी अमलेश्वर दुर्ग एवं प्रेमलाल निषाद निवासी ग्राम सांकरीपार डोंगरगांव को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ करने पर जुर्म करना स्वीकार किया। आरोपीगण के कब्जे से चोरी गए बिल्डिंग निर्माण में उपयोग किए जाने वाले सामानों की बरामदगी की गई।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com